



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 64]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अप्रैल 13, 2006/चैत्र 23, 1928

No. 64]

NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 13, 2006/CHAITRA 23, 1928

केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 2006

सं. एल-7/25(6)/2004-सीईआरसी.—केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग, विद्युत अधिनियम, 2003 (2003 का 36) की धारा 178 के अधीन प्रदत्त शक्तियों और इस निभित सामर्थ्यकारी सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और पूर्व प्रकाशन के पश्चात्, केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (व्यापार अनुज्ञाप्ति प्रदान करने तथा अन्य सहबद्ध विषयों के लिए प्रक्रिया, निबंधन तथा शर्तें) विनियम, 2004 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारंभ : (1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (व्यापार अनुज्ञाप्ति प्रदान करने तथा अन्य सहबद्ध विषयों के लिए प्रक्रिया, निबंधन तथा शर्तें) (संशोधन) विनियम, 2006 है।

(2) ये विनियम राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. विनियम 2 का संशोधन : (1) केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (व्यापार अनुज्ञाप्ति प्रदान करने तथा अन्य सहबद्ध विषयों के लिए प्रक्रिया, निबंधन तथा शर्तें) विनियम, 2004 (जिसे इसमें इसके पश्चात् “मूल विनियम” कहा गया है) के विनियम 2 के खंड (ग) के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

(गक) आवेदक के संबंध में, “सहयुक्त” में निम्नलिखित ऐसा व्यक्ति सम्मिलित है,—

(i) जिसके स्वयं या अपने नातेदारों के साथ प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः आवेदक के मताधिकार से बीस प्रतिशत से अन्यून शेयर, स्वयं के हैं या उन पर नियंत्रण है ;
या

- (ii) जिसके संबंध में आवेदक के ख्ययं या अन्य व्यक्तियों के साथ प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः मताधिकार के बीस प्रतिशत से अन्यून शेयर हैं या उन पर नियंत्रण है ; या
- (iii) उन निदेशकों का बहुमत जिनके अवेदक के मताधिकार के दस प्रतिशत से अन्यून शेयर है या उन पर नियंत्रण है ; या
- (iv) जिनके निदेशक, अधिकारी या कर्मचारी आवेदक के निदेशक, अधिकारी या कर्मचारी भी हैं !

(2) मूल विनियम के विनियम 2 के खंड (ङ) के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(रक) “आर्थिक अपराध” से ऐसा अपराध अभिप्रेत है जिसको आर्थिक अपराध (परिसीमा का लागू न होना) अधिनियम, 1974 (1974 का 12) तत्समय लागू होता है ;

(ङख) “कपट” का वही अर्थ होगा जो भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 (1872 का 9) की धारा 17 में उसका है ;”

(3) मूल विनियम के विनियम 2 के खंड (ङ) के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(एक) “शुद्ध धन” से समय-समय पर यथासंशोधित कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) जिसके भन्तर्गत इसकी पुनःअधिनियमिति भी सम्मिलित है, की धारा 2 की उपधारा (29) के अधीन परिभाषित शुद्ध धन अभिप्रेत है।

(4) मूल विनियम के विनियम 2 के खंड (ङ) के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(ञक) “नातेदार” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 6 में यथापरिभाषित नातेदार अभिप्रेत है ;”।

3. विनियम 4 का संशोधन : मूल विनियम के विनियम 4 के खंड (4) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(4) आवेदक आवेदन करने के पश्चात् 7 दिन के भीतर प्रस्तुप 1क में कम से कम दो राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्रों में, जिसमें एक इकनोमिक्स दैनिक समाचारपत्र भी सम्मिलित है, अपने आवेदन की निम्नलिखित विशिष्टियों के साथ सूचना प्रकाशित करेगा, अर्थात् :—

(क) आवेदक का नाम (बड़े अक्षरों में) सबसे ऊपर स्पष्ट रूप से उल्लिखित होगा चाहे आवेदक भारतीय भागीदारी अधिनियम, 1932 (1932 का 9) के अधीन व्यष्टिक/एकमात्र स्वत्वधारी भागीदारी फर्म हो, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन समाख्यता प्राइवेट लिमिटेड कंपनी या पब्लिक लिमिटेड कंपनी हो, जिसमें कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन समाख्यता कंपनी की दशा में, उसके रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता तथा सभी मामलों में पत्राचार के लिए पता तथा वेबसाइट के पते की पूर्ण विशिष्टियां हों ;

(ख) एक ऐसा कथन कि आवेदक ने यथास्थिति, ‘क’ या ‘ख’ या ‘ग’ या ‘घ’ या ‘ड’ या ‘च’ प्रवर्ग की अनुज्ञाप्ति प्रदान करने के लिए केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग के समक्ष अधिनियम की धारा 15 की उपधारा (1) के अधीन अन्तर्राजिक व्यापार करने के लिए आवेदन किया है ;

(ग) प्राधिकृत, पुरोधृत, अभिदत्त तथा समादत्त शेयर पूंजी ;

(घ) आवेदक का शेयर धारण पैटर्न (प्रत्यक्षतः या उन नातेदारों के ब्यौरे जिन्होंने पांच प्रतिशत या उससे अधिक शेयर धारण किए हैं, उनके द्वारा धारण शेयरों की संख्या तथा कुल समादत्त पूंजी के शेयरों की प्रतिशतता की सूची), वित्तीय तथा तकनीकी सामर्थ्य तथा प्रबंध प्रोफाइल ;

(ङ) अनुज्ञाप्ति प्रदान करने के पश्चात् प्रथम वर्ष के दौरान व्यापार किए जाने के लिए आशयित विद्युत की मात्रा तथा अगले 5 वर्षों के दौरान व्यापार करने के लिए भावी योजना ;

- (च) इसी प्रकार के या वैसे ही क्रियाकलाप में आवेदक या व्यक्तियों के उसके प्रबंध में पिछले अनुभव के ब्यौरे ;
- (छ) ऐसे भौगोलिक क्षेत्र, जिनमें आवेदक विद्युत में व्यापार आरंभ करेगा जैसा कि आयोग को किए गए आवेदन में कथित है ;
- (ज) उस वित्तीय वर्ष के 1 अप्रैल को, जिसमें आवेदन किया गया है या आवेदन की तारीख को आवेदक का शुद्ध धन ;
- (झ) एक ऐसा विवरण कि आवेदक या उसका कोई भागीदारी या प्रमोटर्स या निदेशक या सहयुक्त दिवालिया घोषित किया गया है और निर्माचित नहीं किया गया है और यदि ऐसा है, तो उसके ब्यौरे ;
- (ज) आवेदन करने के तीन पूर्ववर्ती वर्षों के दौरान आवेदक, या उसके किसी भागीदार, प्रमोटर या निदेशक या सहयुक्त के कपट या आर्थिक अपराध की दोषसिद्धि पर रहने के ब्यौरे देने वाला एक विवरण ;
- (ट) आवेदक, या उसके किसी भागीदार, या प्रमोटर या निदेशक या सहयुक्त के अन्तर्वर्तित होने वाले सभी लंबित मामलों के ब्यौरों को देने वाला विवरण जिसमें विवाद की प्रकृति, चाहे वह सिविल हो या दांडिक, अन्य पक्षकार तथा पक्षकारों का नाम, उस न्यायालय का नाम जिसके समक्ष मामला लंबित है तथा उसकी वर्तमान प्रास्थिति भी सम्मिलित होगी ;
- (ठ) एक ऐसा विवरण कि क्या आवेदक या उसके किसी भागीदार या प्रमोटर या निदेशक या सहयुक्त को कभी अनुज्ञाप्ति के लिए इंकार किया था और यदि हाँ, तो आवेदन करने की तारीख, अनुज्ञाप्ति को इंकार करने के आदेश की तारीख तथा इंकार करने के कारणों का ब्यौरा दें ;

- (ङ) इस आशय का एक कथन कि समय-समय पर आयोग के सम्मेलन किए गए आवेदन या अन्य दस्तावेज किसी व्यक्ति द्वारा निरीक्षण किए जाने के लिए आवेदक के पास उपलब्ध हैं ;
- (द) उस आवेदक के नियंत्रणाधीन व्यक्ति का नाम तथा पता तथा अन्य सुसंगत और जिसके पास आवेदन या अन्य दस्तावेज का किसी व्यक्ति द्वारा निरीक्षण किया जा सकता है ;
- (ण) इस आशय का एक कथन कि पूर्ण आवेदन, आवेदक की वेबसाइट पर या उस वेबसाइट, जहां आवेदन उपलब्ध है, के द्वारा सहित किसी अन्य प्राधिकृत वेबसाइट पर उपलब्ध है ;
- (त) आपत्तियां, यदि कोई हो, का कथन सूचना के प्रकाशन के तीस दिन के भीतर आवेदक को आपत्तियों की प्रति सहित सचिव, केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग, सातवीं मंजिल, कोर 3, स्कोप काम्पलेक्स, लोदी रोड, नई दिल्ली-110 003 के समक्ष या ऐसे अन्य पते पर जहां आयोग का कार्यालय अवस्थित है फाइल किया जाएगा ।

स्पष्टीकरण—इस विनियम के प्रयोजन के लिए, “राष्ट्रीय समाचारपत्र” से ऐसा दैनिक समाचारपत्र अभिप्रेत है जो नई दिल्ली और तीन से अधिक अन्य राज्यों या संघ राज्यक्षेत्रों में एक साथ प्रकाशित किया जाता है ।

4. **विनियम 6 का संशोधन :**मूल विनियम के विनियम 6 के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“6. पूंजी पर्याप्तता अपेक्षा तथा उधार पात्रता - आरंभ किए जाने के लिए प्रस्तावित अन्तर-राज्यिक व्यापार की मात्रा पर विचार करते हुए, आवेदन के समय विद्युत व्यापारी का शुद्ध मूल्य नीचे विनिर्दिष्ट रकम से कम नहीं होगा :—

क्रम सं०	व्यापार अनुज्ञाप्ति का प्रवर्ग	प्रति वर्ष व्यापार किए जाने के लिए प्रस्तावित विद्युत की मात्रा	शुद्ध धन (रुपए करोड़ में)
1	क	100 मिलियन तक	1.50
2	ख	100 से 200 मिलियन तक	3.0
3	ग	200 से 500 मिलियन तक	7.5
4	घ	500 से 700 मिलियन तक	10.0
5	ड	700 से 1000 मिलियन तक	15.0
6	च	1000 से ऊपर तक	20.0

5. विनियम 6क का अन्तःस्थापन : मूल विनियम के विनियम 6 के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“6क. निरहंता : आवेदक अन्तर-राज्यिक व्यापार की अनुज्ञाप्ति के लिए तब अर्हित नहीं होगा, यदि--

(क) आवेदक या उसका कोई भी भागीदार, या प्रमोटर, या निदेशक या सहयुक्त दिवालिया घोषित किया गया हो और निर्माचित नहीं किया गया हो ; या

(ख) आवेदक या उसका कोई भी भागीदार या प्रमोटर्स या निदेशक या सहयुक्त किसी भी विधिक कार्यवाही में अन्तर्वलित हो और आयोग की राय में ऐसी परिस्थितियों में अनुज्ञाप्ति प्रदान करने से विद्युत क्षेत्र या उसके उपभोक्ताओं के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा ; या

(ग) आवेदक या उसका कोई भी भागीदार, प्रमोटर या निदेशक या सहयुक्त पहले नैतिक अधमता या किसी आर्थिक अपराध में अन्तर्वलित होने के लिए दोषसिद्ध रह चुका हो ; या

(घ) आवेदक की अनुज्ञाप्ति रद्द करने या उसके किसी भागीदर, या प्रमोटर्स, या निदेशक या सहयुक्त के विरुद्ध कपटपूर्ण या अनुधित व्यापार पद्धति या बाजार छलसाधन या नैतिक अधमता वाले क्रियाकलापों में सम्मिलित होने के आधार पर आयोग द्वारा कोई आदेश किया गया है ; या

(ङ) आवेदक--

(i) की उस आधार पर, जो पुनः वैध नहीं है अनुज्ञाप्ति रद्द कर दी गई हो ; या

(ii) अधिनियम या इसके अधीन बनाए गए नियमों या विनियमों के किन्हीं उपबंधों का उल्लंघन करने की किसी कार्यवाही के अध्यधीन रहा हो ; या

(च) आवेदक को लिखित में उल्लिखित किए जाने वाले अन्य कारणों से अनुज्ञाप्ति प्रदान करने हेतु उचित और पर्याप्त व्यक्ति नहीं समझा गया है ।

स्पष्टीकरण : इस बात का अवधारण करने के प्रयोजन के लिए कि आवेदक 'ठीक या पर्याप्त व्यक्ति' है, आयोग किसी भी ऐसी बात को ध्यान में लेगा जो वह उचित समझे, किन्तु जिसमें निम्नलिखित सम्मिलित है किन्तु जो निम्नलिखित तक सीमित नहीं है, अर्थात् :--

(i) आवेदक की वित्तीय निष्ठा ;

(ii) उसकी सक्षमता ;

(iii) उसकी ख्याति तथा स्वभाव ; और

(iv) उसकी दक्षता तथा ईमानदारी ;” ।

6. विनियम 7 का संशोधन : (1) मूल विनियम के विनियम 7 के खंड (ख) के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाएगा, अर्थात् :--

“परन्तु यह कि यदि अनुज्ञाप्तिधारी वर्ष में व्यापार किए जाने के लिए विद्युत की मात्रा में वृद्धि करने का प्रस्ताव करता है तो वह अपने प्रस्ताव को ध्यान में रखते हुए अपने शुद्ध धन में वृद्धि कर सकेगा और अपने प्रस्ताव के लिए आयोग का पूर्व अनुमोदन अभिप्राप्त करेगा और उच्चतर प्रवर्ग के लिए लागू फीस के रूप में अनुज्ञाप्ति फीस का संदाय करेगा ।” ।

(2) मूल विनियम के विनियम 7 के खंड (घ) के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(घक) यदि अनुज्ञाप्तिधारी व्यापार की गई विद्युत की मात्रा के आधार पर निम्न प्रवर्ग से उच्चतर प्रवर्ग की और बढ़ता है तो उसे तदनुसार तकनीकी तथा पूंजी पर्याप्त अपेक्षाएं लागू होंगी ।” ।

7. विनियम 11 का संशोधन : मूल विनियम के विनियम 11 के खंड (ख) के तीसरे परन्तुक के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(ग) वार्षिक रिपोर्ट, जिसमें निदेशक रिपोर्ट, संपरीक्षा रिपोर्ट, तुलनपत्र तथा कारबार के अन्तर-राज्यिक व्यापार सिगमेंट से संबंधित लाभ और हानि लेखाओं की सभी अनुसूचियों तथा लेखाओं के टिप्पण की प्रतियां, जो उस वर्ष, जिससे वह संबंधित है, की समाप्ति के पश्चात् नौ मास से अन्यून की न हों, के साथ आयोग को प्रस्तुत करेगा ;

(घ) जब कभी निम्नलिखित बात हो, उसके ब्यौरे आयोग को प्रस्तुत करेगा :—

(i) जब आवेदक या उसका भागीदार, या संप्रवर्तक या निदेशक या सहयुक्त दिवालिया घोषित किया गया है और निर्मोचित नहीं किया गया हो ;

(ii) जब आवेदक या उसका कोई भागीदार, या संप्रवर्तक या निदेशक या सहयुक्त किसी विधिक कार्यवाही, सिविल तथा दांडिक, में सम्मिलित हो;

(iii) जब आवेदक या उसके किसी भागीदार, या संप्रवर्तक, या निदेशक या सहयुक्त को किसी समय नैतिक अधमता तथा आर्थिक अपराध में अन्तर्वर्तीत अपराध के लिए सिद्धदोष ठहराया गया हो।"

8. विनियम 12 का संशोधन : मूल विनियम के विनियम 12 के खंड (2) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

"(2) अनुज्ञाप्तिधारी 31 मार्च को समाप्त होने वाले वर्ष के ठीक बाद 30 अप्रैल तक इन विनियमों से उपाबद्ध प्ररूप 4 में विहित प्ररूप में आयोग को प्रत्येक वर्ष के कार्य निष्पादन का व्यौरा देगा।"

9. विनियम 14 का संशोधन : (1) मूल विनियम के विनियम 14 के खंड (1) के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"परन्तु यह कि अनुज्ञाप्ति में कोई परिवर्तन या उपांतरण का कोई भी आदेश करने से पूर्व, अनुज्ञाप्तिधारी के आवेदन से भिन्न किए जाने वाले प्रस्ताव के संबंध में आयोग ऐसे दो दैनिक समाचारपत्रों में जो वह ठीक समझे, निम्नलिखित विशिष्टियों के साथ एक सूचना प्रकाशित करेगा, अर्थात् :—

(क) अनुज्ञाप्तिधारी का नाम तथा पता ;

(ख) किए जाने के प्रस्तावित परिवर्तन तथा उपांतरण ;

(ग) ऐसे परिवर्तन तथा उपांतरण के लिए आधार ; और

(घ) विचार के लिए प्रस्ताव संबंधी सुझाव, यदि कोई हो, आमंत्रित किए जाएंगे।

(2) मूल विनियम के विनियम 14 के खंड (2) के पश्चात्, निम्नलिखित परन्तुक अतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु यह कि जहाँ अनुज्ञाप्रिधारी ने अधिनियम की धारा 18 की उपधारा

(1) के अधीन अपनी अनुज्ञापि में कोई भी परिवर्तन या उपांतरण करने का प्रस्ताव करने के लिए आवेदन दि या है वहां वह दो राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्रों, जिसमें एक इकनोमिक्स टाइम्स है, के सभी अंकों में प्ररूप 5 में, निम्नलिखित विशिष्टियों के साथ ऐसे आवेदन की सूचना प्रकाशित करेगा, अर्थात्”

(क) आवेदन का नाम ;

(ख) उसको अनुदत्त अनुज्ञापि का प्रवर्ग ;

(ग) परिवर्तन तथा उपांतरण के लिए आवेदन आयोग के समक्ष फाइल कर दिया गया है ;

(घ) आवेदन में प्रस्तावित परिवर्तन तथा उपांतरण के ब्यौरे ;

(ङ) ऐसे परिवर्तन और उपांतरण करने के कारण ;

(च) एक ऐसा कथन कि आयोग के समक्ष किए गए आवेदन को वेबसाइट पर डाल दिया गया है तथा उसका आवेदक के कार्यालय में निरीक्षण भी किया जा सकता है ;

(छ) एक ऐसा कथन कि आवेदन में किए गए परिवर्तन तथा उपांतरण करने संबंधी प्रस्ताव के लिए कोई भी सुझाव सूचना के प्रकाशन के एक मास के भीतर आयोग के सचिव को प्रस्तुत किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण : इस विनियम के प्रयोजन के लिए, “राष्ट्रीय समाचारपत्र” का यही अर्थ है जो इन विनियमों के विनियम 4 में है ।

10. विनियम 14क का अंतःस्थापन : मूल विनियम के विनियम 14 के पश्चात्, निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“14क. अनुज्ञाप्ति के निबंधनों और शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रिया,--

(1) जहाँ आयोग का अपने पास उपलब्ध सामग्री के आधार पर, यह समाधान हो जाता है कि अनुज्ञाप्तिधारी अनुज्ञाप्ति के निबंधन और शर्तों का उल्लंघन कर रहा है या उसके उल्लंघन किए जाने की संभावना है तो वह उसकी आपत्तियां आमंत्रित करने के लिए उसके द्वारा अनुज्ञाप्ति के निबंधन और शर्तों का उल्लंघन करने या उल्लंघन करने की संभावना के लिए अनुज्ञाप्तिधारी को नोटिस की तामील करेगा।

(2) नोटिस की तामील उसके उसके रजिस्ट्रीकृत कार्यालय पर या उसके निवास या कारबार के सामान्य या अन्तिम ज्ञात पते पर रजिस्ट्रीकृत डाक/ स्पीड पोस्ट द्वारा या वाहक के माध्यम से परिदान करके की जाएगी या समाचारपत्र में प्रकाशन द्वारा तब की जाएगी यदि आयोग का यह समाधान हो जाता है कि अनुज्ञाप्तिधारी को रजिस्ट्रीकृत डाक/स्पीड पोस्ट या हाथ से या किसी अन्य रीति से परिदत्त कर दी गई है, जो मामले के तथ्यों पर परिस्थितियों में आयोग उचित समझे, सूचना की तामील करना युक्तियुक्त रूप से व्यवहार्य नहीं है।

(3) आयोग अनुज्ञाप्तिधारी द्वारा निबंधनों तथा शर्तों का उल्लंघन करने या उल्लंघन करने की संभावना को विनिर्दिष्ट करते हुए दो समाचारपत्रों में नोटिस प्रकाशित करेगा जिससे कि ऐसे उल्लंघन से प्रभावित व्यक्ति या प्रभावित होने वाले व्यक्ति को इस संबंध में सूचना दी जा सके तथा ऐसा इस संबंध में व्यक्ति सुझाव दे सके।

(4) अनुज्ञाप्तिधारी या अनुज्ञाप्तिधारी द्वारा अनुज्ञाप्ति के निबंधनों और शर्तों के उल्लंघन से प्रभावित व्यक्ति या प्रभावित होने वाला व्यक्ति, यथास्थिति, खंड (1) के अधीन सूचना की प्राप्ति की तारीख से या खंड (3) के अधीन समाचारपत्रों में नोटिस के प्रकाशन की तारीख से तीस दिन के भीतर अपनी आपत्तियां या सुझाव, फाइल कर सकेगा।

(5) आयोग यथापूर्वोक्त प्राप्त आपत्तियों या सुझावों पर विचार करने पर ऐसा आदेश पारित कर सकेगा या ऐसा निदेश दे सकेगा जो वह अनुज्ञाप्ति के निबंधनों और शर्तों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक समझे।'

11. विनियम 15 का संशोधन : मूल विनियम के विनियम 15 के खंड (v) के परन्तुक के पश्चात्, निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :--

"(vi) जहां अनुज्ञाप्तिधारी इन विनियमों के अनुसार पात्रता मानदंड को पूरा करने में असफल रहता है ;

(vii) जहां अनुज्ञाप्तिधारी विनियम 11 के अनुसार यथाअपेक्षित जानकारी देने में असफल रहता है।"

12. प्ररूप 1, प्ररूप 3 तथा प्ररूप 4 का प्रतिस्थापन : मूल विनियम से उपाबद्ध प्ररूप 1, प्ररूप 3 तथा प्ररूप 4 को इन विनियमों से उपाबद्ध अपने-अपने प्ररूप द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।

ए. के. सचान, सचिव

[विज्ञापन III/IV/150/2006/असा.]

टिप्पणी

मूल विनियम भारत के राजपत्र (असाधारण), भाग 3, खंड 4, तारीख 6-2-2004 को सं0 एल 7/25(6)/2004 तारीख 30-1-2004 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

मूल विनियमों के संशोधनों को सम्मिलित करने के पश्चात् समेकित विनियम उपाबद्ध है।

प्ररूप - 1

अन्तर-राज्यिक व्यापार करने के लिए अनुज्ञाप्ति प्रदान करने हेतु आवेदन का प्ररूप

आवेदन की विशिष्टियां :

1. आवेदन का नाम
2. पता
 - (क) रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता
 - (ख) पत्राचार के लिए पता
 - (ग) वेबसाइट का पता
3. संपर्क व्यक्ति का नाम, पदनाम और पता
4. संपर्क टेलीफोन नम्बर
5. फैक्स नम्बर
6. ई-मेल आई डी
7. आवेदक की प्रास्थिति

(क्या कंपनी, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन रजिस्ट्रीकृत है, भागीदारी फर्म, व्यष्टिक है, या कोई अन्य है। यदि सूचीबद्ध है, तो उस रिकार्ड एक्सचेंज का नाम जिसमें वह सूचीबद्ध है तथा दी जाने वाली नवीनतम शेयर कीमत)
8. समामेलन/रजिस्ट्रीकरण का स्थान
9. समामेलन/रजिस्ट्रीकरण का वर्ष
10. प्राधिकृत, जारी, अभिदत्त तथा समादत्त शेयर पूँजी

टिप्पण : निम्नलिखित दस्तावेजों की प्रतियां संलग्न की जाएंगी :

- (क) समामेलन/रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र

- (ख) कारबार प्रारंभ करने के लिए प्रमाणपत्र, जहां लाग हो
- (ग) संगम-झापन तथा संगम-अनुच्छेद
- (घ) आवेदक या उसके संप्रवर्तक को सुपुर्द करने के लिए हस्ताक्षरी का मूल पावर आफ अटार्नी ।

11. आवेदित अनुज्ञाप्ति का प्रवर्ग

12. व्यापार की मात्रा

अनुज्ञाप्ति प्रदान करने के पश्चात् पहले वर्ष के दौरान व्यापार किए जाने के लिए आशयित ऊर्जा की मात्रा और अगले पांच वर्षों के दौरान व्यापार के लिए भावी योजनाएं ।

13. व्यापार का क्षेत्र

वह भौगोलिक क्षेत्र जिसके अन्तर्गत आवेदक विद्युत में व्यापार आरंभ करेगा ।

आवेदक के वित्तीय आंकड़ों के बांहे

14. (i) पिछले ठीक तीन (3) वित्तीय वर्षों के लिए पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए संपरीक्षित लेखाओं के अनुसार शुद्ध धन (नेट वर्थ) (भारतीय रूपए के समकक्ष-प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में विद्यमान विनिमय की दर पर संपरिवर्तन किया जाना है) (यथा लागू वित्तीय वर्ष विनिर्दिष्ट करें)

(ii) आवेदन करने की तारीख को शुद्ध धन
(तारीख/ मास/ वर्ष) से (ता./ मास / वर्ष)

स्वदेशी करेंसी	प्रयुक्त विनिमय	भारतीय रूपए के
दर	समकक्ष	
(क) वर्ष 1 () से () तक
(ख) वर्ष 2 () से () तक
(क) वर्ष 3 () से () तक

टिप्पणी : उपरोक्त के साथ पूर्ववर्ती पांच वर्षों की वार्षिक रिपोर्ट या प्रमाणित संपरीक्षित लेखाओं की प्रतियां संलग्न की जानी हैं।

15. आवेदन करने की तारीख को शेयर धारण के ब्यौरे

(पांच प्रतिशत या उससे ऊपर के शयेखधारकों का ब्यौरा दें चाहे वे आवेदक द्वारा या प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः उसके नातेदार द्वारा धारण किए हुए हों।)

(क) शेयरधारक का नाम

(ख) नागरिकता

(ग) आवासीय प्रास्थिति

(घ) धारित शेयरों की संख्या

(ङ) कंपनी की कुल समादत्त पूँजी को धारण करने वालों की प्रतिशतता।

16. पिछले ठीक पांच वित्तीय वर्षों के लिए वार्षिक आवर्तन (भारतीय रूपए के समकक्ष प्रत्येक वर्ष के अन्त में विद्यमान विनियम की दर पर संपरिवर्तन किया जाना है) (यथालागू वित्तीय वर्ष विनिर्दिष्ट करें।

(तारीख/मास/वर्ष) से (ता./मास/वर्ष)

स्वदेशी करेंसी	प्रयुक्ति	विनियम
दर	भारतीय	रूपए
		के समकक्ष

(क) वर्ष 1 () से () तक

(ख) वर्ष 2 () से () तक

(ग) वर्ष 3 () से () तक

(घ) वर्ष 4 () से () तक

(ङ) वर्ष 5 () से () तक

उपरोक्त के साथ वार्षिक रिपोर्ट तथा प्रमाणित संपरीक्षित परिणामों की प्रतियां संलग्न की जानी हैं।

17. आवेदक की संगठनात्मक तथा प्रबंधकीय योग्यता
 (आवेदक से इन विनियमों के अनुसार विभिन्न कार्यपालकों, प्रस्तावित कार्यालय तथा संचार सुविधाओं आदि की प्रस्तावित संगठनात्मक संरचना तथा बायो-डाटा के रूप में अपनी संगठनात्मक तथा प्रबंधकीय योग्यता के सबूत को संलग्न करने की अपेक्षा की जाती है।)

18. प्रस्ताव तथा पद्धति
 (आवेदक से, जैसा उसके द्वारा प्रस्तावित है, व्यापार करने के इंतजामों को स्थापित करने के लिए विहित प्रस्ताव तथा पद्धति की अपेक्षा की जाती है।)

19. अन्य जानकारी

(क) क्या आवेदक या उसका कोई भागीदार या संप्रवर्तक या निदेशक या सहयुक्त दिवालिया घोषित किया गया है तथा निर्म॑चित किया गया है, यदि हाँ, तो उसका ब्यौरा।
 (ख) आवेदन करने के तीन पूर्ववर्ती वर्षों के दौरान आवेदक, उसका कोई भागीदार, संप्रवर्तक या निदेशक या सहयुक्त का कपट या आर्थिक अपराध के दोषसिद्ध पर रहने के मामलों के ब्यौरे।
 (ग) आवेदक, उसके किसी भागीदार या संप्रवर्तक या निदेशक या सहयुक्त के अन्तर्वलित होने के सभी लंबित मामलों के ब्यौरे जिसमें विवाद की प्रकृति, चाहे सिविल या दांडिक हो, अन्य पक्षकार या पक्षकारों का नाम, वह न्यायालय जिसके समक्ष ममला लंबित है तथा नवीनतम प्रास्थिति सम्मिलित है।
 (घ) क्या आवेदक या उसका कोई भागीदारी, या संप्रवर्तक या निदेशक या सहयुक्त को कभी अनुज्ञासि देने से इंकार किया गया। यदि हाँ, तो आवेदन करने की तारीख, इंकार करने की तारीख और इंकार करने के कारणों का ब्यौरा दें।

20. संलग्न दस्तावेजों की सूची
दस्तावेज का नाम

(क)

(ख)

(ग)

(घ)

स्थान :
 तारीख :

(आवेदक या प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर)

प्ररूप 1क

आवेदक का नाम (स्पष्ट अक्षरों में)

रजिस्ट्रीकृत कार्यालय/निगमित कार्यालय का पता (स्पष्ट अक्षरों में)

विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 15 की उपधारा (2) के अधीन सूचना (स्पष्ट अक्षरों में)

1. ऊपर नामित व्यक्ति, जो कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन समामेलित कंपनी/भागीदार या एकमात्र स्वत्वधारी फर्म/व्यष्टिक (जो लागू न हो उसे काट दे) (आवेदक) है, ने विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 15 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग, नई दिल्ली के समक्ष ----- में (उस भौगोलिक क्षेत्र को उपदर्शित करें जिसके भीतर आवेदक व्यापार आरंभ करने का प्रस्ताव करता है) विद्युत में अन्तर्राजियक व्यापार करने के लिए प्रवर्ग ----- अनुज्ञाप्ति प्रदान करने हेतु आवेदन किया है। आवेदक के संबंध में आवश्यक और निम्नलिखित हैं :

(i) प्राधिकृत, जारी, अभिदत्त या समादत्त पूंजी ।

(ii) शेयरधारण पैटर्न (5 प्रतिशत या उससे अधिक शेयरों को धारण करने वाले शेयर धारकों का ब्यौरा दें)

शेयर धारक का नाम	नागरिकता प्राप्ति	आवासीय संख्या	शेयरों संख्या	की समादत्त पूंजी को धारण करने की प्रतिशतता
---------------------------	----------------------	------------------	------------------	--

(iii) अनुज्ञाप्ति प्रदान करने के पश्चात् पहले वर्ष के दौरान व्यापार किए जाने के लिए आशयित विद्युत की मात्रा तथा व्यापार की मात्रा बढ़ाने के लिए आवेदक की भावी योजना ।

(iv) वित्तीय या तकनीकी सामर्थ्य ।

(v) प्रबंध प्रोफाइल ।

(vi) उस तारीख को शुद्धधन विभाको आवेदन किया गया है ।

(vii) विद्युत के उत्पादन, परेषण, वितरण तथा व्यापार या ऐसे ही क्रियाकलाप में आवेदक का और आवेदक के प्रबंधन में किसी व्यक्ति का पिछला अनुभव ।

(viii) उस वर्ष जिसमें आवेदन किया गया है, के पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए आवेदक का वर्षावार वर्तमान अनुग्रात तथा परिनिर्धारित अनुपात ।

(ix) (क) एक ऐसा कथन कि आवेदक संगम-ज्ञापन या किसी अन्य दस्तावेज के अधीन विद्युत में व्यापार आरंभ करने के लिए प्राधिकृत है ।

(ख) यदि हाँ तो विद्युत में व्यापार करने के इस प्रकार प्राधिकृत करने के लिए संगम-ज्ञापन या कोई अन्य दस्तावेज या विनिर्दिष्ट उपबंध उद्घृत करें ।

(x) ऐसे मामलों, जहाँ कोई हों, के बारे जिनमें आवेदक या उसका कोई भागीदार या संप्रवर्तक या निदेशक या सहयुक्त आवेदन करने के वर्ष के पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान भैतिक अधमता या किसी आर्थिक अपराध में अंतर्वलित होने के लिए किसी अपराध से दोषसिद्ध किया जा चुका हो ।

<u>आवेदक का नाम</u>	<u>आवेदक के साथ जातेवारी</u>	<u>अपराध की प्रकृति</u>	<u>दोषसिद्धि की प्रकृति</u>
---------------------	------------------------------	-------------------------	-----------------------------

(xi) आवेदक या उसके किसी भागीदार या संप्रवर्तक या निदेशक या सहयुक्त के किन्हीं विधिक कायवाहियों (सिविल या दांडिक) में अन्तर्वलित होने के बारे ।

<u>व्यक्ति का नाम</u>	<u>आवेदक के साथ न्यायालय</u>	<u>वह की प्रकृति</u>	<u>कायवाहियों की प्रकृति</u>	<u>अंतर्वलित अन्य</u>	<u>वर्तमान प्रास्थिति</u>
-----------------------	------------------------------	----------------------	------------------------------	-----------------------	---------------------------

<u>नातेदारी</u>	<u>जिसके</u>	<u>पक्षकार</u>
	<u>समक्ष</u>	
	<u>मामला</u>	
	<u>लंबित है</u>	

(xii) उस मामले, यदि कोई हो, के ब्यौरे जहां आवेदक या उसका कोई भागीदार या संप्रवर्तक या निदेशक या सहयुक्त दिवालिया घोषित किया गया है और निर्मोधित किया गया हो ।

2. आयोग के समक्ष फाइल किया गया आवेदन तथा अन्य दस्तावेज किसी भी व्यक्ति के निरीक्षण के लिए के पास (यहां नाम, पदनाम, पता तथा उस व्यक्ति का टैलीफोन नम्बर जिसके पास आवेदन का निरीक्षण किया जा सकता है) उपलब्ध हैं ।
3. आयोग के समक्ष फाइल किया गया आवेदन और अन्य दस्तावेज.....पर पोस्ट कर दिए गए हैं (उस वेबसाइट का पता दें जिस पर पोस्ट किया गया है)
4. आयोग के समक्ष किए गए आवेदन पर आपत्तियां, यदि कोई हों, सचिव, केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग, कोर 3, स्कोप काम्पलेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली 110003 को (या ऐसा अन्य पता दें जहां आयोग का कार्यालय अवस्थित है) आवेदक को प्रति देते हुए इस सूचना के प्रकाशन के तीस दिन के भीतर भेजी जा सकेंगी ।
5. आयोग द्वारा उन आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा जो सूचना के प्रकाशन की तारीख के तीस दिन के पश्चात् प्राप्त होती हैं ।

स्थान

तारीख

प्राधिकृत हस्ताक्षरी का नाम
तथा पता

प्रकल्प 3

को समाप्त होने वाले तिमाही के लिए जानकारी प्रस्तुत करने का प्रलम्प

(आयोग, प्रादेशिक भार प्रेषण केन्द्र और प्रादेशिक ऊर्जा समिति के समक्ष फाइल किया जाना है)

व्यापारी का नाम :

अनुज्ञाप्ति का ब्यौरा (सं0 और तारीख) :

क्र.सं.	संचयवहार की ओर समय	ब्यापार की गई विद्युत से क्राय	* निम्नलिखित क्रय का स्थान	क्रय कीमत का स्थान	विक्रय कीमत का स्थान	संदर्भ पारेशण/ विक्रेता/ व्यापारी/ क्रेता** प्रभार का वहन किया गया है।	संदर्भ यू.ए.ई. पारेशण का वहन किया गया है।	टिप्पणियां
1	तारीख 20/07/2018	गई विद्युत से क्राय की मात्रा (मात्रा निलियन किलो वाट घंटे में)	को विक्रीत का स्थान	क्रय कीमत का स्थान	विक्रय कीमत का स्थान	संदर्भ पारेशण/ विक्रेता/ व्यापारी/ क्रेता** प्रभार का वहन किया गया है।	संदर्भ यू.ए.ई. प्रभार और प्रधार का वहन किया गया है।	प्रधार का वहन किया गया है।
2	योग							

टि प्पण : सभी संव्यवहार वास्तविक समय आधार पर चाहे वे व्यस्ततम अवधि, कम व्यस्ततम अवधि या चौबीस घंटे का हो रिपोर्ट किए जाएंगे और उन्हें संकलित नहीं किया जाना चाहिए।

*विक्रेता/क्रेता के नाम के अलावा, विक्रेता/क्रेता का प्रवर्ग, अर्थात् उत्पादक, कैपिटिव ऊर्जा, संयंत्र, वितरण अनुबन्धिधारी, सरकार, उपभोक्ता (जब लागू हो) आदि, उपदर्शित करें।

** जो लागू न हो उसे काट दें।

प्रकृष्ट 4

31 मार्च को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए विद्युत व्यापारी के कार्य-निष्पादन के मानक को प्रस्तुत करने वाला प्रकृष्ट

(आयोग को प्रस्तुत किया जाना है)

व्यापारी का नाम :

अनुज्ञाति का बोध (सं0 और तारीख) :

क्र.सं.	वर्ष के दौरान व्यापार ने गई ¹ विद्युत मात्रा	अनुज्ञाति प्रदान करने से वर्तमान तिथाई की	अनुज्ञाति प्रदान करने के पश्चात् विद्युत का व्यापार संचयी व्यापार	क्षा प्रवर्तन के कारण विद्युत धन में व्यापारी के प्रवर्तन में कोई हुई ² परिवर्तन हुआ है । यदि परिवर्तन हो तो आवश्यक बोरे दें ।	क्षा प्रवर्तन के कारण विद्युत के परिवर्तन के कारण विद्युत हुई ³ आयोग के पास अतिरिक्त ⁴ आवश्यक बोरे दें ।	क्षा प्रवर्तन के कारण विद्युत के परिवर्तन के कारण विद्युत हुई ⁵ आयोग के पास अतिरिक्त ⁶ आवश्यक बोरे दें ।	व्यापार के लिए उपलब्ध क्रय की गई ⁷ विद्युत के संदर्भ ऐसा हो तो उसके बोरे दें ।	व्यापार के लिए उपलब्ध क्रय की गई ⁸ विद्युत के संदर्भ यदि इस संप्रेक्षण किया गया है, ऐसा हो तो उसके बोरे दें ।
				(हाँ/नहीं)	(हाँ/नहीं)	(हाँ/नहीं)		

प्रस्तुति 5

आवेदक का नाम तथा पता (स्पष्ट अक्षरों में)

विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 18 की उपधारा (2) के खंड (ख) के अधीन
सूचना

1. ऊपर नामित व्यक्ति जिसे केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग द्वारा वर्ष में
..... मिलियन यूनिट का अन्तर-राज्यिक व्यापार करने के लिए प्रवर्ग
..... अनुज्ञाप्ति प्रदान की गई है, ने विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा
18 की उपधारा (2) के खंड (ख) के अधीन अनुज्ञाप्ति में निम्नानुसार परिवर्तन तथा
उपांतरण करने के लिए आयोग के समक्ष आवेदन किया है :
-

(आवेदन में दी गई अनुज्ञाप्ति में परिवर्तन तथा उपांतरण के ब्यौरे यहां दें)

2. परिवर्तन और उपांतरण करने के आधार निम्नलिखित हैं : --
-

(आवेदन में दी गई अनुज्ञाप्ति में परिवर्तन तथा उपांतरण का आधार यहां दें)

3. आयोग के समक्ष फाइल किए गए आवेदन को (वेबसाइट
का नाम दें) पर पोस्ट कर दिया है तथा किसी भी व्यक्ति द्वारा उसका
..... के पास निरीक्षण किया जा सकता है ।
-

(आवेदन में दिए गए प्राधिकृत व्यक्ति का नाम लिखें)

4. अनुज्ञाप्ति में परिवर्तन तथा उपांतरण के लिए आयोग के समक्ष फाइल किए
गए आवेदन में ऊपर उल्लिखित प्रस्ताव संबंधी सुझाव, यदि कोई हों, सचिव,

केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग, 7वीं मंजिल, कोर 3, स्कोप कम्पलैक्स, लाधी रोड, नई दिल्ली- 110 003 (या ऐसा अन्य पता दें जहां आयोग का कार्यालय अवस्थित है) इस नोटिस के प्रकाशन के तीस दिन के भीतर, आवेदक को प्रति देते हुए भेजे जा सकेंगे।

5. आयोग द्वारा उन सुझावों पर विचार नहीं किया जाएगा जो तीस दिन की समाप्ति के पश्चात् प्राप्त होते हैं।
स्थान

तारीख

प्राधिकृत हस्ताक्षरी का नाम
तथा पता

केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग

नई दिल्ली

अधिसूचना

सं0 एल-7/25(6)/-2004

नई दिल्ली 30 जनवरी 2004

केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग, विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 178 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का और इस निमित्त सामर्थ्यकारी सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए और पूर्व प्रकाशन के पश्चात्, निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

अध्याय - 1- प्रारंभिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ

(क) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (व्यापार अनुज्ञाप्ति प्रदान करने और अन्य सहबद्ध विषयों के लिए प्रक्रिया, निबंधन और शर्तें) विनियम, 2004 है।

(ख) ये विनियम राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं और निर्वचन

(1) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ या विषयवस्तु से अन्यथा अपेक्षित न हो :—

(क) “अधिनियम” से विद्युत अधिनियम, 2003 (2003 का 36) अभिप्रेत है ;
(ख) “आवेदक” से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसने आयोग को अंतर-राज्यिक व्यापार

के लिए अनुज्ञाप्ति प्रदान करने हेतु आवेदन किया है :

परन्तु यह कि ऐसा व्यक्ति भारत का निवारी हो या भारतीय भागीदारी अधिनियम, 1932 (1932 का 9) के अधीन रजिस्ट्रीकृत भागीदारी फर्म हो या कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन समामेलित कोई कंपनी हो या

व्यष्टिक संगम या निकाय हो चाहे समामेलित हो या नहीं या भारतीय विधि के अधीन रहते हुए, कृत्रिम विधिक व्यक्ति हो ;

(ग) “करार” से एक ओर विद्युत व्यापारी और विद्युत विक्रेता तथा दूसरी ओर विद्युत व्यापारी और विद्युत क्रेता के बीच हुआ करार अभिप्रेत है ;

(गक) आवेदक के संबंध में, “सहयुक्त” में निम्नलिखित ऐसा व्यक्ति सम्मिलित है,—

(i) जिसके स्वयं या अपने नातेदारों के साथ प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः आवेदक के मताधिकार से बीस प्रतिशत से अन्यून शेयर, स्वयं के हैं या उन पर नियंत्रण है ; या

(ii) जिसके संबंध में आवेदक के स्वयं या अन्य व्यक्तियों के साथ प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः मताधिकार के बीस प्रतिशत से अन्यून शेयर हैं या उन पर नियंत्रण है ; या

(iii) उन निदेशकों का बहुमत जिनके आवेदक के मताधिकार के दस प्रतिशत से अन्यून शेयर है या उन पर नियंत्रण है ; या

(iv) जिनके निदेशक, अधिकारी या कर्मचारी आवेदक के निदेशक, अधिकारी या कर्मचारी भी हैं ।

(घ) “आयोग” से अधिनियम की धारा 76 में निर्दिष्ट केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग अभिप्रेत है ;

(ङ) “कारबार का संचालन विनियम” से समय-समय पर, यथा संशोधित केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (कारबार का संचालन) विनियम, 1999 अभिप्रेत है और इसमें इसकी कोई कानूनी अधिनियमिति भी सम्मिलित है ;

(ङक) “आर्थिक अपराध” से ऐसा अपराध अभिप्रेत है जिसको आर्थिक अपराध (परिसीमा का लागू न होना) अधिनियम, 1974 (1974 का 12) तत्समय लागू होता है ;

(छत्र) “कपुट” का वही अर्थ होगा जो भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 (1872 का ४)

की धारा 17 में उसका है ;”

- (च) “ग्रिड कोड” से अधिनियम की धारा 79 की उपधारा (1) के खंड (ज) के अधीन आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट ग्रिड कोड अभिप्रेत है और इसमें इन विनियमों के प्रारंभ की तारीख को लागू भारतीय विद्युत ग्रिड कोड सम्मिलित है ;
- (छ) “अंतर-राज्यिक व्यापार” से किसी एक राज्य-क्षेत्र से किसी दूसरे राज्य-क्षेत्र को विद्युत व्यापारी द्वारा विद्युत का अंतरण अभिप्रेत है ;
- (ज) “अनुज्ञाप्ति” से विद्युत व्यापारी के रूप में विद्युत का अंतर-राज्यिक व्यापार आरंभ करने के लिए अधिनियम की धारा 14 के अधीन प्रदत्त की गई अनुज्ञाप्ति अभिप्रेत है ;
- (झ) “अनुज्ञाप्तिधारी” से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है, जिसे अधिनियम की धारा 14 के अधीन विद्युत व्यापारी के रूप में विद्युत का अंतर-राज्यिक व्यापार आरंभ करने के लिए अनुज्ञाप्ति प्रदत्त की गई है ;
- (झक) “शुद्ध धन” से समय-समय पर यथासंशोधित कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) जिसके अन्तर्गत इसकी पुनःअधिनियमिति भी सम्मिलित है, की धारा 2 की उपधारा (29) के अधीन परिभाषित शुद्ध धन अभिप्रेत है ।

स्पष्टीकरण : इस खंड के प्रयोजनों के लिए, “खुली आरक्षितियों” से लाभ तथा शेयर प्रीमियम खाते से सृजित सभी आरक्षितियां अभिप्रेत हैं किन्तु जिसमें आस्तियों के पुनर्मूल्यांकन, अवक्षयण उपबंध तथा समामेलन प्रतिलेखन से सृजित आरक्षितियां भी सम्मिलित हैं।

- (ज) “अन्य कारबार” से अंतर-राज्यिक व्यापार के अनुज्ञाप्त कारबार के सिवाय अनुज्ञाप्तिधारी का कोई कारबार अभिप्रेत है ;
- (जक) “नातेदार” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 6 में यथापरिभाषित नातेदार अभिप्रेत है ;
- (ट) “वर्ष” से वर्ष के 1 अप्रैल से आगामी वर्ष के 31 मार्च तक की बारह मास की अवधि अभिप्रेत है ।

- (2) यथापूर्वोक्त के सिवाय और जब तक कि संदर्भ या विषय के विरुद्ध अन्यथा अपेक्षित न हो, इन विनियमों में प्रयुक्त शब्दों और पदों के, जो इन विनियमों में परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम और ग्रिड कोड में परिभाषित हैं, उनीं अर्थ होंगे जो अधिनियम या ग्रिड कोड में, क्रमशः हैं ।
- (3) समय-समय पर, यथासंशोधित साधारण खंड अधिनियम, 1897 (1897 का 10) के उपबंध इन विनियमों के निर्वचन के लिए ऐसे लागू होंगे मानो वे संसद् के अधिनियम के निर्वचन के लिए लागू होते हैं ।
- (4) ये विनियम एक ओर उत्पादन कंपनी, जिसमें कैपिटिव उत्पादन संयंत्र सम्मिलित है, वितरण अनुज्ञाप्तिधारी और विद्युत व्यापारी तथा दूसरी ओर विद्युत व्यापारी और वितरण अनुज्ञाप्तिधारी के बीच द्विपक्षीय रूप से किए गए व्यापार को लागू होते हैं :

परन्तु यह कि इन विनियमों की परिधि और उपयुक्तता का राज्य विद्युत विनियामक आयोग द्वारा वितरण में खुली पहुंच या आयोग द्वारा उर्जा विनियम बाजार को आंभ करने के लिए विनियमों की विरचना करने के साथ समय-समय पर, पुनर्विलोकन किया जा सकेगा ।

अध्याय - 2 अंतर-राज्यिक व्यापार के लिए अनुज्ञाप्ति प्रदान करने हेतु प्रक्रिया

3. इन विनियमों के अधीन सभी कार्यवाहिगां कारबार संचालन विनियमों द्वारा शासित होंगी ।
4. (1) अंतर-राज्यिक व्यापार के लिए अनुज्ञाप्ति प्रदान करने हेतु आवेदन आयोग को इन विनियमों के अधीन विनिर्दिष्ट रीति से, इन विनियमों से उपाबद्ध प्ररूप-1 में किया जाएगा और उसके साथ ऐसी फीस संलग्न की जाएगी जो केन्द्रीय सरकार द्वारा विहित की जाए ।

परन्तु यह कि इस समय तक फीस केन्द्रीय सरकार द्वारा विहित की जाती है और अंतर-राज्यिक व्यापार के लिए अनुज्ञाप्ति प्रदान करने वाले आवेदन के साथ 1.00 लाख रुपए (केवल एक लाख रुपए) की फीस संलग्न की जाएगी जो सहायक सचिव, केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग, नई दिल्ली के पक्ष में बैंक ड्राफ्ट या संदाय आदेश के माध्यम से संदेय होगी और इस प्रकार संदर्भ फीस, जब कभी भी फीस केन्द्रीय सरकार द्वारा विहित की जाती है, संमायोजन के अध्यधीन होगी ।

- (2) अंतर-राज्यिक व्यापार के लिए अनुज्ञाप्ति प्रदान करने वाले आवेदन को उपाबंधों और संलग्नों के साथ आयोग की कम्पैक्ट डिस्क (सी.डी) पर प्रस्तुत किया जाएगा ।
- (3) आवेदक अपनी स्वयं की वेबसाइट या प्राधिकृत किसी अन्य वेबसाइट पर पूर्ण आवेदन को उपाबंधों और संलग्नकों के साथ प्रदर्शित करेगा जिससे कि कोई भी व्यक्ति इंटरनेट के माध्यम से आवेदन तक पहुंच सके ।
- (4) आवेदक आवेदन करने के पश्चात् 7 दिन के भीतर प्ररूप 1क में कम से कम दो राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्रों में, जिसमें एक इकनोमिक्स दैनिक समाचारपत्र भी सम्मिलित है, अपने आवेदन की निम्नलिखित विशिष्टियों के साथ सूचना प्रकाशित करेगा, अर्थात् :—
- (क) आवेदक का नाम (बड़े अक्षरों में) सबसे ऊपर स्पष्ट रूप से उल्लिखित होगा चाहे आवेदक भारतीय भागीदारी अधिनियम, 1932 (1932 का 9) के अधीन व्यष्टिक/एकमात्र स्वत्वधारी भागीदारी फर्म हो, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन समामेलित प्राइवेट लिमिटेड कंपनी या पब्लिक लिमिटेड कंपनी हो, जिसमें कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन समामेलित कंपनी की दशा में उसके रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता तथा सभी मामलों में पत्राचार के लिए पता तथा वेबसाइट के पते की पूर्ण विशिष्टियां हों ;
- (ख) एक ऐसा कथन कि आवेदक ने यथास्थिति, ‘क’ या ‘ख’ या ‘ग’ या ‘घ’ या ‘ड’ या ‘च’ प्रवर्ग की अनुज्ञाप्ति प्रदान करने के लिए केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग के समक्ष अधिनियम की धारा 15 की उपधारा (1) के अधीन अन्तरराज्यिक व्यापार करने के लिए आवेदन किया है ;
- (ग) प्राधिकृत, पुरोधृत, अभिदत्त तथा समादत्त शेयर पूँजी ;
- (घ) आवेदक का शेयर धारण पैटर्न (प्रत्यक्षतः या उन नातेदारों के ब्यौरे जिन्होंने पांच प्रतिशत या उससे अधिक शेयर धारण किए हैं, उनके द्वारा धारण शेयरों की संख्या तथा कुल समादत्त पूँजी के शेयरों की प्रतिशतता की सूची), वित्तीय तथा तकनीकी सामर्थ्य तथा प्रबंध प्रोफाइल ;

- (अ) अनुज्ञाप्ति प्रदान करने के पश्चात् प्रथम वर्ष के दौरान व्यापार किए जाने के लिए आशयित विद्युत की मात्रा तथा अगले 5 वर्षों के दौरान व्यापार करने के लिए भावी योजना ;
- (ब) इसी प्रकार के या वैसे ही क्रियाकलाप में आवेदक या व्यक्तियों के उसके प्रबंध में पिछले अनुभव के ब्यौरे ;
- (छ) ऐसे भौगोलिक क्षेत्र, जिनमें आवेदक विद्युत में व्यापार आरंभ करेगा जैसा कि आयोग को किए गए आवेदन में कथित है ;
- (ज) उस वित्तीय वर्ष के 1 अप्रैल को, जिसमें आवेदन किया गया है या आवेदन की तारीख को आवेदक का शुद्ध धन ;
- (झ) एक ऐसा विवरण कि आवेदक या उसका कोई भागीदारी या प्रमोटर्स या निदेशक या सहयुक्त दिवालिया घोषित किया गया है और निर्माचित नहीं किया गया है और यदि ऐसा है, तो उसके ब्यौरे ;
- (ज) आवेदन करने के तीन पूर्ववर्ती वर्षों के दौरान आवेदक, या उसके किसी भागीदार, प्रमोटर या निदेशक या सहयुक्त के कपट या आर्थिक अपराध की दोषसिद्धि पर रहने के ब्यौरे देने वाला एक विवरण ;
- (ट) आवेदक, या उसके किसी भागीदार, या प्रमोटर या निदेशक या सहयुक्त के अन्तर्वर्तित होने वाले सभी लंबित मामलों के ब्यौरों को देने वाला विवरण जिसमें विवाद की प्रकृति, चाहे वह सिविल हो या दांडिक, अन्य पक्षकार तथा पक्षकारों का नाम, उस न्यायालय का नाम जिसके समक्ष मामला लंबित है तथा उसकी वर्तमान प्रास्थिति भी सम्मिलित होगी ;
- (ठ) एक ऐसा विवरण कि क्या आवेदक या उसके किसी भागीदार या प्रमोटर या निदेशक या सहयुक्त को कभी अनुज्ञाप्ति के लिए इंकार किया था और यदि हाँ, तो आवेदन करने की तारीख, अनुज्ञाप्ति को इंकार करने के आदेश की तारीख तथा इंकार करने के कारणों का ब्यौरा दें ;

- (ङ) इस आशय का एक कथन कि समय-समय पर आयोग के समक्ष फाइल किए गए आवेदन या अन्य दस्तावेज किसी व्यक्ति द्वारा निरीक्षण किए जाने के लिए आवेदक के पास उपलब्ध हैं ;
- (ँ) उस आवेदक के नियंत्रणाधीन व्यक्ति का नाम तथा पता तथा अन्य सुसंगत व्यौरे जिसके पास आवेदन या अन्य दस्तावेज का किसी व्यक्ति द्वारा निरीक्षण किया जा सकता है ;
- (ण) इस आशय का एक कथन कि पूर्ण आवेदन, आवेदक की वेबसाइट पर या उस वेबसाइट, जहां आवेदन उपलब्ध है, के व्यौरों सहित किसी अन्य प्राधिकृत वेबसाइट पर उपलब्ध है ;
- (त) आपत्तियां, यदि कोई हो, का कथन सूचना के प्रकाशन के तीस दिन के भीतर आवेदक को आपत्तियों की प्रति सहित सचिव, केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग, सातवीं मंजिल, कोर 3, स्कोप काम्पलेक्स, लोदी रोड, नई दिल्ली-110 003 के समक्ष या उस पते पर जहां आयोग का कार्यालय अवस्थित है, फाइल किया जाएगा ।

स्पष्टीकरण--इस विनियम के प्रयोजन के लिए, “राष्ट्रीय समाचारपत्र” से ऐसा दैनिक समाचारपत्र अभिप्रेत है जो नई दिल्ली और तीन से अधिक अन्य राज्यों या संघ राज्यक्षेत्रों में एक साथ प्रकाशित किया जाता है ।

- (5) आवेदक, यथापूर्वक सूचना के प्रकाशन की तारीख से सात दिन के भीतर आयोग को प्रकाशित सूचना के व्यौरों को शपथपत्र पर प्रस्तुत करेगा और उन समाचारपत्रों की सुसंगत प्रतियां भी फाइल करेगा जिनमें सूचना प्रकाशित हुई है ।
- (6) आवेदक समाचारपत्रों में इसके प्रकाशन के पेंतालीस दिनों के भीतर सूचना के प्रत्युत्तर में प्राप्त आपत्तियों या सुझावों पर अपनी टीका-टिप्पणियां फाइल करेगा ।
- (7) आयोग, सुनवाई के माध्यम से या सुनवाई के बिना, जैसा वह समुचित समझे, अंतर-राज्यिक व्यापार के लिए अनुज्ञाप्ति प्रदान करने वाले आवेदन पर विचार करेगा :

परन्तु यह कि आयोग अपना यह समाधान हो जाने पर कि आवेदक अधिनियम और इसके अधीन बनाए गए नियमों और विनियमों के उपबंधों के अधीन ऐसी अनुज्ञाप्ति को जारी करने के लिए अर्हित है, अंतर-राज्यिक व्यापार के लिए आवेदन जारी कर सकेगा :

परन्तु यह और कि अनुज्ञाप्ति प्रदान करने से पूर्व, आयोग, ऐसे दो समाचारपत्रों में, जैसा वह आवश्यक समझे, अनुज्ञाप्ति प्रदान करने के अपने प्रस्ताव की सूचना प्रकाशित करेगा जिसमें ऐसे अन्य व्यौरों सहित जैसा वह उचित समझे, उस व्यक्ति का नाम और पता होगा जिसे अनुज्ञाप्ति जारी करने के लिए प्रस्तावित किया गया है ।

- (8) यथासाध्यशीघ्र इन विनियमों से उपाबद्ध प्ररूप 2 में विहित प्ररूप के अनुसार अनुज्ञाप्ति प्रदान की जाएगी ।

अध्याय-3 : विद्युत व्यापारी की अपेक्षाएं

5. तकनीकी अपेक्षाएं

- (1) आवेदक कम से कम एक पूर्णकालिक वृत्तिक होगा जिसे निम्नलिखित में से प्रत्येक क्षेत्र में अनुभव हो, अर्थात् :—
 - (i) ऊर्जा प्रणाली प्रचालन तथा ऊर्जा अंतरण के वाणिज्यिक पहलुओं ; और
 - (ii) वित्त, वाणिज्य और लेखा ।
- (2) इस तथ्य के होते हुए भी कि आयोग ने अंतर-राज्यिक व्यापार के लिए अनुज्ञाप्ति प्रदान कर दी है, व्यापारिक गतिविधियां आरंभ करने से पूर्व, कर्मचारिवृद्ध की तकनीकी अपेक्षाओं का अनुपालन किया जाएगा ।
- (3) आवेदक अंतर-राज्यिक व्यापार आरंभ करने से पूर्व, आयोग को उसके द्वारा पूर्णकालिक आधार पर नियोजित वृत्तिकों और सहायक कर्मचारिवृद्धों का ब्यौरा देगा ।
6. पूंजी पर्याप्तता अपेक्षाएं और उधारपात्रता---आरंभ किए जाने के लिए प्रस्तावित अंतर-राज्यिक व्यापार की मात्रा पर विचार करते हुए, आवेदन के समय विद्युत व्यापारी का शुद्ध मूल्य नीचे

विनिर्दिष्ट रकम से कम नहीं होगा :-

क्र.सं.	व्यापार अनुज्ञाप्ति का प्रवर्ग	प्रतिवर्ष व्यापार किए जाने के लिए प्रस्तावित विद्युत की मात्रा (किलोवाट घंटों में)	शुद्ध धन (रूपए करोड़ में)
1	क	100 मिलियन तक	1.50
2	ख	100 से 200 मिलियन	3.0
3	ग	200 से 500 मिलियन	7.5
4	घ	500 से 700 मिलियन	10.0
5	ड	700 से 1000 मिलियन	15.00
6	च	1000 मिलियन से ऊपर	20.00

6क. **निरहता** : आवेदक अन्तर्राजिक व्यापार की अनुज्ञाप्ति के लिए तब

अर्हित नहीं होगा, यदि--

(क) आवेदक या उसका कोई भी भागीदार, या प्रमोटर, या निदेशक या सहयुक्त दिवालिया घोषित किया गया हो और निर्माचित नहीं किया गया

हो ; या

(ख) आवेदक या उसका कोई भी भागीदार या प्रमोटर्स या निदेशक या सहयुक्त किसी भी विधिक कार्यवाही में अन्तर्वलित हो और आयोग की राय में ऐसी परिस्थितियों में अनुज्ञाप्ति प्रदान करने से विद्युत क्षेत्र या उसके

उपभोक्ताओं के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा ; या

(ग) आवेदक या उसका कोई भी भागीदार, प्रमोटर या निदेशक या सहयुक्त पहले नैतिक अधमता या किसी आर्थिक अपराध में अन्तर्वर्लित होने के लिए दोषसिद्ध रह चुका हो ; या

(घ) आवेदक की अनुज्ञाप्ति रद्द करने या उसके किसी भागीदार, या प्रमोटर्स, या निदेशक या सहयुक्त के विरुद्ध कपटपूर्ण या अनुचित व्यापार पद्धति या बाजार छलसाधन या नैतिक अधमता वाले क्रियाकलापों में सम्मिलित होने के आधार पर आयोग द्वारा कोई आदेश किया गया है ; या

(ड) आवेदक—

(i) की उस आधार पर, जो पुनः वैध नहीं है अनुज्ञाप्ति रद्द कर

दी गई हो ; या

(ii) अधिनियम या इसके अधीन बनाए गए नियमों या विनियमों

के किन्हीं उपबंधों का उल्लंघन करने की किसी कार्यवाही के

अध्यधीन रहा हो ; या

(च) आवेदक को लिखित में उल्लिखित किए जाने वाले अन्य कारणों से अनुज्ञप्ति प्रदान करने हेतु उचित और पर्याप्त व्यक्ति नहीं समझा गया है।

स्पष्टीकरण : इस बात का अवधारण करने के प्रयोजन के लिए कि आवेदक ‘ठीक या पर्याप्त व्यक्ति’ है, आयोग किसी भी ऐसी बात को ध्यान में लेगा जो वह उचित समझे, किन्तु जिसमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं किन्तु जो निम्नलिखित तक सीमित नहीं है, अर्थात् :-

- (i) आवेदक की वित्तीय निष्ठा ;
- (ii) उसकी सक्षमता ;
- (iii) उसकी ख्याति तथा स्वभाव ; और
- (iv) उसकी दक्षता तथा ईमानदारी

अध्याय-4 : अनुज्ञप्ति के निबंधन और शर्तें

7. अनुज्ञप्तिधारी की बाध्यताएं

अनुज्ञप्तिधारी निम्नलिखित बाध्यताओं के अध्यधीन होगा, अर्थात् :-

- (क) अनुज्ञप्तिधारी विधि में प्रवृत्त और विशिष्टतया अधिनियम और इसके अधीन बनाए गए नियमों या विनियमों की अपेक्षाओं, ग्रिड कोड, आदेशों और आयोग और राज्य विद्युत विनियामक आयोग (आयोगों) द्वारा, समय-समय पर, जारी किए गए निदेशों का पालन करेगा।
- (ख) यदि व्यापार की मात्रा निम्न प्रवर्ग से उच्च प्रवर्ग की ओर बढ़ती है तो अनुज्ञप्तिधारी अपने शुद्ध धन में वृद्धि करेगा और प्रवर्ग के परिवर्तन पर प्रत्येक वर्ष के 31 मार्च को व्यापार की गई विद्युत की मात्रा के आधार पर विनिश्चय किया जाएगा और जिस वर्ष अनुज्ञप्तिधारी एक प्रवर्ग से दूसरे प्रवर्ग की ओर बढ़ने तथा शुद्ध धन में पश्चात्वर्ती परिवर्तन की सूचना आयोग को देगा :

परन्तु यह कि यदि अनुज्ञाप्तिधारी वर्ष में व्यापार किए जाने के लिए विद्युत की मात्रा में वृद्धि करने का प्रस्ताव करता है तो वह अपने प्रस्ताव को ध्यान में रखते हुए अपने शुद्ध धन में वृद्धि कर सकेगा और अपने प्रस्ताव के लिए आयोग का पूर्व अनुमोदन अभिप्राप्त करेगा और उच्चतर प्रवर्ग के लिए लागू फीस के रूप में अनुज्ञाप्ति फीस का संदाय करेगा ।

- (ग) अनुज्ञाप्तिधारी आयोग द्वारा, समय-समय पर यथा नियत अंतर-राज्यिक व्यापार के लिए व्यापार मार्जिन के अधीन रहते हुए होगा ।
- (घ) ऐसा अनुज्ञाप्तिधारी, जो विद्युत व्यापारी है, इन विनियमों में आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट तकनीकी अपेक्षाओं, पूँजी पर्याप्तता अपेक्षा और उधारपात्रता द्वारा शासित होगा और जब व्यापार की मात्रा में वृद्धि होती है तब इन तकनीकी और पूँजी पर्याप्तता अपेक्षाओं, जिसमें कर्मचारिवृद्ध भी हैं, में वृद्धि करेगा ।
- (घक) यदि अनुज्ञाप्तिधारी व्यापार की गई विद्युत की मात्रा के आधार पर निम्न प्रवर्ग से उच्चतर प्रवर्ग की और बढ़ता है तो उसे तदनुसार तकनीकी तथा पूँजी पर्याप्त अपेक्षाएं लागू होंगी
- (ङ) अनुज्ञाप्तिधारी व्यापार आरंभ करने से पूर्व, टेलीफोन, फैक्स, कंप्यूटर, इंटरनेट सुविधाओं जैसी पर्याप्त संचार सुविधाएं स्थापित करेगा ।
- (च) अनुज्ञाप्तिधारी, व्यापार से संबंधित सभी क्रियाकलापों की बाबत, यथास्थिति, प्रादेशिक विद्युत बोर्डों या प्रादेशिक ऊर्जा समितियों, प्रादेशिक भार प्रेषण केन्द्रों/राज्य भार प्रेषण केन्द्रों और केन्द्रीय पारेषण उपयोगिताओं/राज्य पारेषण उपयोगिताओं के सम्बन्ध समन्वय करेगा ;
- (छ) अनुज्ञाप्तिधारी आयोग द्वारा प्राधिकृत किसी व्यक्ति को अनुज्ञाप्ति से संबंधित सभी कर्तव्यों को कार्यान्वित करने के लिए सभी प्रकार की सहायता देगा ।
- (ज) व्यापार, पक्षकारों के बीच समुचित संविदा करके द्विपक्षीय रूप से किया जाएगा । विद्युत के प्रदाय के संबंध में व्यापार के माध्यम से आवश्यक सुरक्षोपाय किए जाएंगे या

व्यापार किए गए विद्युत के लिए संदाय को पक्षकारों के बीच हुए करार में सम्मिलित किया जाएगा । सभी व्यापार संबंधी ठहराव प्रत्यय-पत्र या किसी अन्य उच्चतर लिखित के माध्यम से किए जाएंगे ।

- (झ) अनुज्ञाप्तिधारी इसके अधीन विनिर्दिष्ट समय अनुसूची के अनुसार, इन विनियमों के अधीन विनिर्दिष्ट अनुज्ञाप्ति परीस का संदाय करेगा ।
- (ज) अनुज्ञाप्तिधारी वर्ष में चार क्रमवर्ती तिमाही के लिए व्यापार क्रियाकलाप आरंभ करने हेतु कोई लोप नहीं करेगा या उपेक्षा नहीं करेगा ।
- (ट) अनुज्ञाप्तिधारी ऐसा कोई प्रमुख करार नहीं करेगा जिससे उसकी प्रधान स्थिति का दुरुपयोग होता है या किसी ऐसे समुच्चाय में प्रवेश करता है जिससे विद्युत उद्योग में प्रतिस्पर्धा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है या प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है ।
- (ठ) अनुज्ञाप्तिधारी अपने ग्राहकों और उसके द्वारा अन्य पक्षकारों के साथ आरंभ किए गए संव्यवहारों का अद्यतन अभिलेख रखेगा ।

8. प्रतिषिद्ध क्रियाकलाप

- (1) अनुज्ञाप्तिधारी आयोग के पूर्व अनुमोदन के बिना:—
 - (i) किसी अन्य अनुज्ञाप्तिधारी की उपयोगिता को क्रय करके या ग्रहण करके या अन्यथा अर्जित नहीं करेगा ; या
 - (ii) अपनी उपयोगिता का किसी अन्य अनुज्ञाप्तिधारी की उपयोगिता के साथ विलय नहीं करेगा ; या
 - (iii) क्रय, पट्टा, विनिग्रह या अन्यथा द्वारा अपनी अनुज्ञाप्ति को किसी व्यक्ति को नहीं सौंपेगा या उसे अंतरित नहीं करेगा ।
- (2) अनुज्ञाप्तिधारी विद्युत के पारेषण के कारबार में नहीं लगेगा ।
- (3) जब कभी आयोग का पूर्व अनुमोदन अभेक्षित हो, अनुज्ञाप्तिधारी कारबार का संचालन विनियमों के अनुसार आयोग के समक्ष समुचित आवेदन फाइल करेगा ।

9. अनुज्ञाप्ति फीस का संदाय

- (1) अनुज्ञाप्तिधारी आयोग को नीचे विनिर्दिष्ट रकम की वार्षिक अनुज्ञाप्ति फीस का संदाय करेगा, जो सहायक सचिव, केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग, नई दिल्ली के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट या संदाय आदेश द्वारा संदेय होगी :--

क्र.सं०	प्रवर्ग	प्रतिवर्ष व्यापार किए जाने के लिए प्रस्तावित विद्युत की मात्रा (किलो वाट, घंटों में)	अनुज्ञाप्ति फीस (रुपए लाख में)
1	क	100 भिलियन तक	1.00
2	ख	100 से 200 मिलियन	2.00
3	ग	200 से 500 मिलियन	5.00
4	घ	500 से 700 मिलियन	7.00
5	ड	700 से 1000 मिलियन	10.00
6	च	1000 से ऊपर	15.00

परन्तु यह कि वर्ष के भाग के लिए अनुज्ञाप्ति फीस दिनों की संख्या के आधार पर यथानुपात संदेय होगी :

परन्तु यह और कि वर्ष के भाग के लिए आनुपातिक आधार पर संगणित अनुज्ञाप्ति फीस को सौ रुपए तक पूर्णाकित किया जाएगा ।

- (2) अनुज्ञाप्ति फीस प्रत्येक वर्ष के 15 अप्रैल तक संदत्त की जाएगी और यदि व्यापारी ने निम्न प्रवर्ग से उच्च प्रवर्ग की ओर व्यापार किया है तो अनुज्ञाप्ति फीस का शेष प्रत्येक वर्ष 30 अप्रैल से पूर्व संदत्त किया जाएगा :

परन्तु यह कि अनुज्ञाप्ति फीस की पहली किस्त, अनुज्ञाप्ति जारी होने की तारीख से एक मास की अवधि के भीतर संदत्त की जाएगी :

परन्तु यह और कि यदि अनुज्ञाप्तिधारी अनुज्ञाप्ति फीस या उसके भाग का संदाय करने में असफल रहता है तो वह अनुज्ञाप्ति फीस की अवधि या उसके असंदत्त किसी भाग के

लिए प्रत्येक फीस या उसके किसी भाग के लिए संदेय अनुज्ञाप्ति फीस के 1% की दर से बकाया रकम पर देर से संदाय करने वाले अधिभार का संदाय करने के लिए दायी होगा ।

- (3) यथापूर्वोक्त देर से संदाय करने वाले अधिभार का संदाय करने की अनुज्ञाप्तिधारी के दायित्व के अधीन रहते हुए, अनुज्ञाप्ति फीस या उसके भाग के संदाय में विलंब का अनुज्ञाप्ति के निबंधनों और शर्तों के भंग के रूप में अर्थ लगाया जाएगा और अनुज्ञाप्ति को प्रतिसंहृत कर लिया जाएगा ।

10. अनुज्ञाप्तिधारी के लेखे

- (1) अनुज्ञाप्तिधारी,-

(क) अनुज्ञाप्ति में सम्मिलित अंतर-राज्यिक व्यापार के कारबार के लिए लेखाओं की पृथक् जानकारी देगा और विवरणों को बनाए रखेगा ।

(ख) ऐसे प्ररूप में लेखाओं का विवरण बनाए रखेगा और उसमें ऐसी विशिष्टियां अंतर्विष्ट होंगी जो आयोग, द्वारा विनिर्दिष्ट की जाएं और ऐसे समय तक जब तक, ये आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं, समय-समय पर यथासंशोधित कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अनुसार लेखाओं को बनाए रखेगा ।

(ग) अंतर-राज्यिक व्यापार के कारबार के लेखाओं को अन्य कारबार से पृथक् रखेगा याहे वे अनुज्ञाप्त हों या अन्यथा ।

(घ) प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए समरूप आधार पर ऐसे अभिलेख लेखांकन विवरणों को तैयार करेगा जिसमें लाभ और हानि लेखा, तुलनपत्र और स्रोत का विवरण तथा उसके टिप्पणों सहित निधियों का उपयोजन होगा और उसमें ऐसे किसी भी राजस्व, लागत, आस्ति, दायित्व, आरक्षिति या प्रावधान की रकम पृथक् रूप से दर्शित करेगा जो,-

(i) किसी अन्य कारबार से या उसको उस प्रभार के आधार के विवरण के साथ प्रभारित की गई हो, या

(ii) प्रभाजन या आबंटन के आधार के वर्णन के साथ-साथ विभिन्न कारबार या क्रियाकलापों के बीच प्रभाजन या आबंटन द्वारा अवधारित की गई हो,

- (ङ) पूर्वगमी खंडों के अनुसार, प्रत्येक वर्ष के संबंध में लेखापरीक्षकों द्वारा रिपोर्ट के संबंध में, तैयार किए गए लेखांकन विवरण प्रदान करेगा चाहे उनकी राय में यह कथन किया गया हो कि विवरण पर्याप्त रूप से तैयार किए गए हैं और ऐसे कारबार, जिससे संबंधित वे विवरण हैं, से युक्तियुक्त रूप से हुए माने जा सकने वाले राजस्व, लागत, आस्तियां और दायित्व, आरक्षितियों का ठीक और स्पष्ट दृष्टिकोण देगा, और
- (च) उस वर्ष, जिससे वे संबंधित हैं, की समाप्ति के पश्चात् नौ मास से अन्यून की लेखांकन विवरणों और संपरीक्षकों की रिपोर्ट की प्रति आयोग को देगा।
- (2) आयोग द्वारा प्राधिकृत कोई भी व्यक्ति अनुज्ञाप्तिधारी के लेखाओं का निरीक्षण करने और उन्हें सत्यापित करने का हकदार होगा और अनुज्ञाप्तिधारी ऐसे व्यक्ति को सभी आवश्यक सहायता देगा।

11. जानकारी का दिया जाना

अनुज्ञाप्तिधारी—

- (क) ऐसी जानकारी देगा, जो समय-समय पर, आयोग द्वारा मांगी जाए;
- (ख) ऐसी जानकारी देगा, जो अनुज्ञाप्तिधारी के कार्य-निष्पादन का मानीटर करने और जानकारी देने के लिए इन विनियमों से उपाबद्ध प्ररूप 3 में अपेक्षित अनुज्ञाप्ति के निबंधनों और शर्तों तथा अन्य विधायी अथवा विनियामकों के अनुपालन के लिए, समय-समय पर, अपेक्षित हो :

परन्तु यह कि विहित प्ररूप में जानकारी आयोग को उसकी एक प्रति सहित, यथास्थिति, प्रादेशिक प्रेषण केन्द्र और प्रादेशिक विद्युत बोर्ड या प्रादेशिक ऊर्जा समिति को क्रमशः, जनवरी से मार्च, अप्रैल से जून, जुलाई से सितंबर और अक्टूबर से दिसंबर के तिमाही के लिए अप्रैल, जुलाई, अक्टूबर और उसके जनवरी के 10वें दिन को तिमाही आधार पर दी जाएगी और जानकारी देने वाले प्ररूप को पूर्ण रूप से भरा जाएगा और और कोई भी स्तंभ को खाली नहीं छोड़ा जाएगा :

परन्तु यह और कि, यथास्थिति, प्रादेशिक भार प्रेषण केन्द्र और प्रादेशिक विद्युत बोर्ड या प्रादेशिक ऊर्जा समिति को भेजी गई रिपोर्ट को विद्युत व्यापारी की वेबसाइट या किसी अन्य प्राधिकृत वेबसाइट पर डाला जाएगा :

परन्तु यह भी कि, यथास्थिति, प्रादेशिक भार प्रेषण केन्द्र और प्रादेशिक विद्युत बोर्ड या प्रादेशिक विद्युत समिति रिपोर्ट में यथाउपदर्शित व्यापार की गई ऊर्जा की मात्रा को सत्यापित करेगा और उसके संबंध में आयोग को एक रिपोर्ट भेजेगा ।

(ग) वार्षिक रिपोर्ट, जिसमें निदेशक रिपोर्ट, संपरीक्षा रिपोर्ट, तुलनपत्र तथा कारबार के अन्तर-राज्यिक व्यापार सिगमेंट से संबंधित लाभ और हानि लेखाओं की सभी अनुसूचियों तथा लेखाओं के टिप्पण की प्रतियां, जो उस वर्ष, जिससे वह संबंधित है, की समाप्ति के पश्चात् नौ मास से अन्यून की न हों, के साथ आयोग को प्रस्तुत करेगा ;

(घ) जब कभी निम्नलिखित बात हो, उसके ब्यौरे आयोग को प्रस्तुत करेगा :--

(i) जब आवेदक या उसका भागीदार, या संप्रवर्तक या निदेशक या सहयुक्त दिवालिया घोषित किया गया है और निर्माचित नहीं किया गया हो ;

(ii) जब आवेदक या उसका कोई भागीदार, या संप्रवर्तक या निदेशक या सहयुक्त किसी विधिक कार्यवाही में सम्मिलित हो, तथा आयोग की राय में ऐसी परिस्थितियों में अनुज्ञाप्ति प्रदान करने से विद्युत क्षेत्र या उपभोक्ता के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा ;

(iii) जब आवेदक या उसके किसी भागीदार, या संप्रवर्तक, या निदेशक या सहयुक्त को पहले कभी नैतिक अधमता तथा आर्थिक अपराध में अन्तर्वर्तित अपराध के लिए सिद्धदोष ठहराया गया हो

12. कार्य-निष्पादन के मानक

- (1) आयोग, अनुज्ञाप्तिधारी से परामर्श करने के पश्चात्, अनुज्ञाप्तिधारी या अनुज्ञाप्तिधारियों के किसी वर्ग के लिए कार्य-निष्पादन के मानक विनिर्दिष्ट कर सकेगा ।
- (2) अनुज्ञाप्तिधारी 31 मार्च को समाप्त होने वाले वर्ष के ठीक बाद 30 अप्रैल तक इन विनियमों से उपाबद्ध प्ररूप 4 में विहित प्ररूप में आयोग को प्रत्येक वर्ष के कार्य निष्पादन का ब्यौरा देगा ।

13. विवेकाधीन रिपोर्ट करना

अनुज्ञाप्तिधारी यथासाध्यशीघ्रता से आयोग को,—

- (क) अपनी उन परिस्थितियों में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन के संबंध में, रिपोर्ट देगा जिससे अनुज्ञाप्तिधारी की योग्यता पर अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों और विनियमों, आयोग द्वारा जारी किए गए निदेशों और आदेशों, ग्रिड कोड, करार या अनुज्ञाप्ति के अधीन उसकी बाध्यताओं को पूरा करने के लिए प्रभाव पड़े ;
- (ख) किसी ऐसी तात्त्विक बात के संबंध में, रिपोर्ट देगा जिससे अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों या विनियमों, आयोग द्वारा जारी किए गए निदेशों और आदेशों, ग्रिड कोड, करार या अनुज्ञाप्ति के उपबंध भंग हों ; और
- (ग) अनुज्ञाप्तिधारी के शेयरधारण पैटर्न, स्वामित्व या प्रबंध प्रोफाइल में कोई मुख्य परिवर्तन के संबंध में रिपोर्ट देगा ।

14. अनुज्ञाप्ति का संशोधन

- (1) अनुज्ञाप्ति के निबंधनों और शर्तों को आयोग द्वारा लोक हित में या अनुज्ञाप्तिधारी द्वारा किए गए आवेदन पर उपांतरित किया जा सकेगा:

परन्तु यह कि अनुज्ञाप्ति में कोई परिवर्तन या उपांतरण का कोई भी आदेश करने से पूर्व, अनुज्ञाप्तिधारी के आवेदन से भिन्न किए जाने वाले प्रस्ताव के

संबंध में आयोग ऐसे दो दैनिक समाचारपत्रों में जो वह ठीक समझे, निम्नलिखित विशिष्टियों के साथ एक सूचना प्रकाशित करेगा, अर्थात् :—

- (क) अनुज्ञप्तिधारी का नाम तथा पता ;
 - (ख) किए जाने के प्रस्तावित परिवर्तन तथा उपांतरण ;
 - (ग) ऐसे परिवर्तन तथा उपांतरण के लिए आधार ; और
 - (घ) प्रस्ताव संबंधी सुझाव, यदि कोई हो, नोटिस में विनिर्दिष्ट समय के भीतर आयोग के सचिव को भेजे जाएंगे
- (2) यदि अनुज्ञप्तिधारी अनुज्ञप्ति के निबंधनों और शर्तों में किसी भी परिवर्तन या उपांतरण के लिए आवेदन करता है तो इसमें ऊपर विनियम 4 में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया यथावश्यक परिवर्तन सहित लागू होगी

परन्तु यह कि जहां अनुज्ञप्तिधारी ने अधिनियम की धारा 18 की उपधारा

- (1) के अधीन अपनी अनुज्ञप्ति में कोई भी परिवर्तन या उपांतरण करने का प्रस्ताव करने के लिए आवेदन किया है वहां वह दो राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्रों, जिसमें एक इकनोमिक्स टाइम्स है, के सभी अंकों में प्ररूप 5 में, निम्नलिखित विशिष्टियों के साथ ऐसे आवेदन की सूचना प्रकाशित करेगा, अर्थात् -

- (क) आवेदन का नाम ;
- (ख) उसको अनुदत्त अनुज्ञप्ति का प्रवर्ग ;
- (ग) परिवर्तन तथा उपांतरण के लिए आवेदन आयोग के समक्ष फाइल कर दिया गया है ;
- (घ) आवेदन में प्रस्तावित परिवर्तन तथा उपांतरण के ब्यौरे ;
- (ङ) ऐसे परिवर्तन और उपांतरण करने के कारण ;

(च) एक ऐसा कथन कि आयोग के समक्ष किए गए आवेदन को वेबसाइट पर डाल दिया गया है तथा उसका आवेदक के कार्यालय में निरीक्षण भी किया जा सकता है ;

(छ) एक ऐसा कथन कि आवेदन में किए गए परिवर्तन तथा उपांतरण करने संबंधी प्रस्ताव के लिए कोई भी सुझाव सूचना के प्रकाशन के एक मास के भीतर आयोग के सचिव को प्रस्तुत किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण : इस विनियम के प्रयोजन के लिए, “राष्ट्रीय समाचारपत्र” का वही अर्थ है जो इन विनियमों के विनियम 4 में है ।

14क. अनुज्ञाप्ति के निबंधनों और शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रिया,--

(1) जहां आयोग का अपने पास उपलब्ध सामग्री के आधार पर, यह समाधान हो जाता है कि अनुज्ञाप्तिधारी अनुज्ञाप्ति के निबंधन और शर्तों का उल्लंघन कर रहा है या उसके उल्लंघन किए जाने की संभावना है तो वह उसकी आपत्तियां आमंत्रित करने के लिए उसके द्वारा अनुज्ञाप्ति के निबंधन और शर्तों का उल्लंघन करने या उल्लंघन करने की संभावना के लिए अनुज्ञाप्तिधारी को नोटिस की तामील करेगा ।

(2) नोटिस की तामील उसको उसके रजिस्ट्रीकृत कार्यालय पर या उसके निवास या कारबार के सामान्य या अन्तिम ज्ञात पते पर रजिस्ट्रीकृत डाक/स्पीड पोस्ट द्वारा या वाहक के माध्यम से परिदान करके की जाएगी या समाचारपत्र में प्रकाशन द्वारा तब की जाएगी यदि आयोग का यह समाधान हो जाता है कि अनुज्ञाप्तिधारी को रजिस्ट्रीकृत डाक/स्पीड पोस्ट या हाथ से या किसी अन्य रीति से, जो मामले के तथ्यों पर परिस्थितियों में आयोग उचित समझे, सूचना की तामील करना युक्तियुक्त रूप से व्यवहार्य नहीं है ।

(3) आयोग अनुज्ञाप्तिधारी द्वारा निबंधनों तथा शर्तों का उल्लंघन करने या उल्लंघन करने की संभावना को विनिर्दिष्ट करते हुए दो समाचारपत्रों में नोटिस प्रकाशित करेगा जिससे

कि ऐसे उल्लंघन से प्रभावित व्यक्ति या प्रभावित होने वाले व्यक्ति को इस संबंध में सूचना दे जा सके तथा ऐसा इस संबंध में व्यक्ति सुझाव दे सके ।

(4) अनुज्ञप्तिधारी या अनुज्ञातिशारी द्वारा अनुज्ञप्ति के निबंधनों और शर्तों के उल्लंघन से प्रभावित व्यक्ति या प्रभावित होने वाला व्यक्ति, यथास्थिति, खंड (1) के अधीन सूचना की प्राप्ति की तारीख से या खंड (3) के अधीन समाचारपत्रों में नोटिस के प्रकाशन की तारीख से तीस दिन के भीतर अपनी आपत्तियां या सुझाव, फाइल कर सकेगा ।

(5) आयोग यथापूर्वोक्त प्राप्त आपत्तियों या सुझावों पर विचार करने पर ऐसा आदेश पारित कर सकेगा या ऐसा निदेश दे सकेगा जो वह अनुज्ञप्ति के निबंधनों और शर्तों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक समझे

15. अनुज्ञप्ति का प्रतिसंहरण

(1) अधिनियम की धारा 19 के अनुसार आयोग निम्नलिखित किसी भी दशा में, किसी अनुज्ञप्ति को प्रतिसंहृत कर सकेगा, अर्थात् :—

(i) जहाँ आयोग की शब्द में, अनुज्ञप्तिधारी, इस अधिनियम या इसके अधीन बनाए गए नियमों या विनियमों द्वारा या उसके अधीन अपेक्षित कोई बात करने में जो बूझकर और बिलंबित व्यतिक्रम करता है ;

(ii) जहाँ अनुज्ञप्तिधारी अपनी अनुज्ञप्ति के निबंधनों और शर्तों में से किसी को भंग करता है, जिसके भंग होने से ऐसी अनुज्ञप्ति द्वारा उसके प्रतिसंहरण का दायी होना स्पष्ट रूप से घोषित है ;

(iii) जहाँ अनुज्ञप्तिधारी अपनी अनुज्ञप्ति द्वारा इस निमित्त नियत अवधि के भीतर या किसी ऐसी दीर्घतर अवधि के भीतर, असफल रहता है जो आयोग अपने समाधानप्रद रूप में यह दर्शात करने के लिए अनुज्ञात करे कि वह अनुज्ञप्ति द्वारा उस पर अधिरोपित कर्तव्यों और बाध्यताओं का पूर्णतः और दक्षतापूर्ण निर्वहन करने की स्थिति में है ;

(iv) जहां आयोग की राय में, अनुज्ञाप्तिधारी की वित्तीय स्थिति ऐसी है कि वह अपनी अनुज्ञाप्ति द्वारा उसे अधिरोपित कर्तव्यों और बाध्यताओं का पूर्णतः तथा दक्षतापूर्ण निर्वहन करने में असमर्थ है ;

(v) जहां अनुज्ञाप्तिधारी चार पूर्ववर्ती तिमाही के लिए विद्युत में व्यापार करने में असफल हो गया है या उसने अपेक्षा की है :

परन्तु यह कि अनुज्ञाप्ति को केन्द्रीय सरकार द्वारा विहित रीति से अधिनियम की धारा 143 के अधीन, सिवाय आयोग द्वारा नियुक्त न्यायनिर्णयन अधिकारी द्वारा जांच किए जाने के पश्चात् प्रतिसंहृत नहीं किया जाएगा :

परन्तु यह और कि आयोग उपरोक्त खंड (1) के अधीन किसी अनुज्ञाप्ति का प्रतिसंहरण करने के बजाय, उसे ऐसे अतिरिक्त निबंधनों और शर्तों के अधीन रहते हुए, जो वह अधिरोपित करना ठीक समझे, प्रवर्तन में बने रहने के लिए अनुज्ञात कर सकेगा और इस प्रकार अधिरोपित कोई भी अतिरिक्त निबंधन और शर्त अनुज्ञाप्तिधारी पर आबद्धकर होगी तथा उसके द्वारा उनका पालन किया जाएगा और ऐसे निबंधनों और शर्तों का वैसा ही बल और प्रभाव होगा मानो वह अनुज्ञाप्ति में अंतर्विष्ट हों ।

(vi) जहां अनुज्ञाप्तिधारी इन विनियमों के अनुसार पात्रता मानदंड को पूरा करने में असफल रहता है ;

(vii) जहां अनुज्ञाप्तिधारी विनियम 11 के अनुसार यथाअपेक्षित जानकारी देने में असफल रहता है

- (2) जब अनुज्ञाप्तिधारी अनुज्ञाप्ति के प्रतिसंहरण के लिए आवेदन करता है और आयोग का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा लोक हित में अपेक्षित है तो आयोग उसकी अनुज्ञाप्ति को ऐसे निबंधनों और शर्तों पर, जो वह ठीक समझे, प्रतिसंहृत कर सकेगा :
- (3) आयोग अनुज्ञाप्तिधारी पर प्रतिसंहरण की सूचना की तामील करेगा तथा वह तारीख नियत करेगा जिस तारीख को प्रतिसंहरण प्रभावी होगा ।

16. पत्र-व्यवहार

- (1) अनुज्ञाप्ति से संबंधित सभी पत्र-व्यवहार लिखित में होंगे और संबोधिती को व्यक्तिगत रूप से या उसके प्राधिकृत अभिकर्ता को भेजे जाएंगे या संबोधिती के कारबार के स्थान पर रजिस्ट्रीकृत या स्पीड डाक द्वारा भेजे जाएंगे ।

- (2) सभी संसूचनाएं भेजने वाले द्वारा तब दी गई और संबोधिती द्वारा तब प्राप्त की गई समझी जाएंगी जब-
 - (i) संबोधिती को व्यक्तिगत रूप से या उसके प्राधिकृत अभिकर्ता को भेजी जाती है ; और

 - (ii) संबोधिती के पते पर रजिस्ट्रीकृत या स्पीड डाक द्वारा भेजने की तारीख से पन्द्रह दिन की समाप्ति पर भेजी जाती है ।

17. शिथिल करने की शक्ति

आयोग समुचित मामलों में और लिखित में अभिलिखित किए जाने वाले कारणों के लिए इन विनियमों के किसी भी उपबंध को शिथिल कर सकेगा ।

प्ररूप-1अंतर-राज्यिक व्यापार अनुज्ञाप्ति प्रदान करने के लिए आवेदन का प्ररूप

आवेदक की विशिष्टियां

1. आवेदन का नाम
2. पता
 - (क) रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता
 - (ख) पत्राचार के लिए पता
 - (ग) वेबसाइट का पता
3. संपर्क व्यक्ति का नाम, पदनाम और पता
4. संपर्क टेलीफोन नम्बर
5. फैक्स नम्बर
6. ई-मेल आई डी
7. आवेदक की प्रार्थिति

(क्या कंपनी, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन रजिस्ट्रीकृत है, भागीदारी फर्म, व्यष्टिक है, या कोई अन्य है। यदि सूचीबद्ध है, तो उस स्टाक एक्सचेज का नाम जिसमें वह सूचीबद्ध है तथा दी जाने वाली नवीनतम शेयर कीमत)
8. समामेलन/रजिस्ट्रीकरण का स्थान
9. समामेलन/रजिस्ट्रीकरण का वर्ष

10. प्राधिकृत, जारी, अभिदत्त तथा समावक्त शेयर पूंजी

टिप्पण : निम्नलिखित दस्तावेजों की प्रतियां संलग्न की जाएंगी :

- (क) समामेलन/रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र
- (ख) कारबार प्रारंभ करने के लिए प्रमाणपत्र
- (ग) संगम-ज्ञापन तथा संगम-अनुच्छेद
- (घ) आवेदक या उसके संप्रवर्तक को सुपुर्द करने के लिए हस्ताक्षरी का मूल पावर आफ अटार्नी ।

11. आवेदित अनुज्ञाप्ति का प्रवर्ग

12. व्यापार की मात्रा

अनुज्ञाप्ति प्रदान करने के पश्चात् पहले वर्ष के दौरान व्यापार किए जाने के लिए आशयित ऊर्जा की मात्रा और अगले पांच वर्षों के दौरान व्यापार के लिए भावी योजनाएं ।

13. व्यापार का क्षेत्र

वह भौगोलिक क्षेत्र जिसके अन्तर्गत आवेदक विद्युत में व्यापार आरंभ करेगा ।

आवेदक के वित्तीय आंकड़ों के ब्यौरे

14. (i) पिछले ठीक तीन (3) वित्तीय वर्षों के लिए पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए संपरीक्षित लेखाओं के अनुसार शुद्ध धन (नेट वर्थ) (भारतीय रूपए के समकक्ष-प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में विद्यमान विनिमय की दर पर संपरिवर्तन किया जाना है) (यथा लागू वित्तीय वर्ष विनिर्दिष्ट करें)
- (ii) आवेदन करने की तारीख को शुद्ध धन

(तारीख/ मास/ वर्ष) से (ता./ मास / वर्ष)

स्वदेशी करेंसी प्रयुक्त विनिमय भारतीय रूपए के	दर	समकक्ष
(क) वर्ष 1 () से () तक
(ख) वर्ष 2 () से () तक
(क) वर्ष 3 () से () तक

टिप्पणि : उपरोक्त के साथ पूर्ववर्ती पांच वर्षों की वार्षिक रिपोर्ट या प्रमाणित संपरीक्षित लेखाओं की प्रतियां संलग्न की जानी हैं।

15. आवेदन करने की तारीख को शेयर धारण के ब्यौरे

(पांच प्रतिशत या उससे ऊपर के शेयरधारकों का ब्यौरा दें चाहे वे आवेदक द्वारा या प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः उसके नातेदार द्वारा धारण किए हुए हों।)

(क) शेयरधारक का नाम

(ख) नागरिकता

(ग) आवासीय प्रास्थिति

(घ) धारित शेयरों की संख्या

(ङ) कंपनी की कुल समादत्त पूँजी को धारण करने वालों की प्रतिशतता।

16. पिछले ठीक पांच वित्तीय वर्षों के लिए वार्षिक आवर्तन (भारतीय रूपए के समकक्ष प्रत्येक वर्ष के अन्त में विद्यमान विनिमय की दर पर संपरिवर्तन किया जाना है) (यथालागू वित्तीय वर्ष विनिर्दिष्ट करें।

(तारीख/मास/वर्ष) से (ता./मास/वर्ष)

स्वदेशी करेसी प्रयुक्त विनियम भारतीय रूपए के
दर समकक्ष

- (क) वर्ष 1 () से () तक
- (ख) वर्ष 2 () से () तक
- (ग) वर्ष 3 () से () तक
- (घ) वर्ष 4 () से () तक
- (ङ) वर्ष 5 () से () तक

(च) उपरोक्त के साथ वार्षिक रिपोर्ट तथा प्रमाणित संपरीक्षित परिणामों की प्रतियां संलग्न की जानी हैं।

17. आवेदक की संगठनात्मक तथा प्रबंधकीय योग्यता

(आवेदक से इन विभिन्नों के अनुसार विभिन्न कार्यपालकों, प्रस्तावित कार्यालय तथा संचार सुविधाओं आदि की प्रस्तावित संगठनात्मक संरचना तथा बायो-डाटा के रूप में अपनी संगठनात्मक तथा प्रबंधकीय योग्यता के सबूत को संलग्न करने की अपेक्षा की जाती है।)

18. प्रस्ताव तथा पद्धति

(आवेदक से, जैसा उसके द्वारा प्रस्तावित है, व्यापार करने के इंतजामों को स्थापित करने के लिए विहित प्रस्ताव तथा पद्धति की अपेक्षा की जाती है।)

19. अन्य जानकारी

- (क) क्या आवेदक या उसका कोई भागीदार या संप्रवर्तक या निदेशक या सहयुक्त दिवालिया घोषित किया गया है तथा निर्माचित किया गया है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा।

(ख) आवेदन करने के तीन पूर्ववर्ती वर्षों के दौरान आवेदक, उसका कोई भागीदार, संप्रवर्तक या निदेशक या सहयुक्त का कपट या आर्थिक अपराध के दोषसिद्ध पर रहने के मामलों के ब्यौरे ।

(ग) आवेदक, उसके किसी भागीदार या संप्रवर्तक या निदेशक या सहयुक्त के अन्तर्वलित होने के सभी लंबित मामलों के ब्यौरे जिसमें विवाद की प्रकृति, चाहे सिविल या दांडिक हो, अन्य पक्षकार या पक्षकारों का नाम, वह न्यायालय जिसके समक्ष ममला लंबित है तथा नवीनतम प्रास्थिति सम्मिलित है ।

(घ) क्या आवेदक या उसका कोई भागीदारी, या संप्रवर्तक या निदेशक या सहयुक्त को कभी अनुज्ञाप्ति देने से इंकार किया गया । यदि हाँ, तो आवेदन करने की तारीख, इंकार करने की तारीख और इंकार करने के कारणों का ब्यौरा दें ।

20. संलग्न दस्तावेजों की सूची

दस्तावेज का नाम

- (क)
- (ख)
- (ग)
- (घ)

(आवेदक या प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर)

तारीख :

प्रकृष्ट । क

सार्वेतत्क का नाम (स्पष्ट अक्षरों में)

गोमेश्वरी मूर्ति नवरात्रियांगी (गोमती) : गोमतीलय का पता (स्पष्ट अक्षरों में)

विद्युत विभाग, २००३ की धारा १५ की उपधारा (२) के अधीन सूचना (स्पष्ट अक्षरों में)

1. लम्पर नामित व्याकृत, जो विभागीय अधिनियम, 1956 के अधीन समारोहित कंपनी/भागीदार या एकमात्र इकाईयाँ और/व्यष्टिक (जो लागू न हो उसे काट दें) (आवेदक) है, ने विद्युत अधिनियम, २००३ की धारा १५ की उपधारा (१) के अधीन कोन्ट्रीय विद्युत विनियामक आयोग, नई दिल्ली द्वारा ---- में (उस भौगोलिक क्षेत्र को उपर्योग करें जिसके भीतर आवेदक व्यापार आरंभ करने का प्रस्ताव करता है) विद्युत में अन्तर-राजियक व्यापार करने के लिए प्रवर्त्ती ---- अनुज्ञाप्ति प्रदान करने हेतु आवेदन किया है। आवेदक के संबंध में आवश्यक व्यौरे निम्नलिखित हैं :--

- (i) प्राधेकृत, जारी, अभिवृत या समादत्त पूँजी।
- (ii) शेयरधारण पैटर्न (५ प्रतिशत या उससे अधिक शेयरों को धारण करने वाले शेयर धारकों का व्यौरा दें)

<u>शेयर धारक नागरिकता आवासीय प्राचिनति का नाम</u>	<u>शेयरों की संख्या</u>	<u>समादत्त पूँजी को धारण करने की प्रतिशतता</u>
---	-------------------------	--

- (iii) अनुज्ञाप्ति प्रदान करने के पश्चात् पहले वर्ष के दौरान व्यापार किए जाने के लिए आशयित विद्युत की मात्रा तथा व्यापार की मात्रा बढ़ाने के लिए आवेदक की भावी गोड़ना।
- (iv) वित्तीय या सकनीनी समर्थ्य।
- (v) प्रवंध प्रोफाइल।
- (vi) उस जारीत को कुद्रान जिसको आवेदन किया गया है।

(vii) विद्युत के उत्पादन, परेषण, वितरण तथा व्यापार या ऐशा ही क्रियाकलाप में आवेदक का और/या आवेदक के प्रबंधन में किसी व्यक्ति का पिछला अनुभव ।

(viii) उस वर्ष जिसमें आवेदन किया गया है, के पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए आवेदक का वर्षवार वर्तमान अनुपांत तथा परिनिर्धारित अनुपात ।

(ix) (क) एक ऐसा कथन कि आवेदक संगम-ज्ञापन या किसी अन्य दस्तावेज के अधीन विद्युत में व्यापार आरंभ करने के लिए प्राधिकृत है ।

(ख) यदि हाँ तो विद्युत में व्यापार करने के इस प्रकार प्राधिकृत करने के लिए संगम-ज्ञापन या कोई अन्य दस्तावेज या विनिर्दिष्ट उपबंध उद्घृत करें ।

(x) ऐसे मामलों, यदि कोई हों, के ब्यौरे जिनमें आवेदक या उसका कोई भागीदार या संप्रवर्तक या निदेशक या सहयुक्त आवेदन करने के वर्ष के पूर्ववर्ती तीन वर्षों की समाप्ति से नैतिक अधमता या किसी आर्थिक अपराध में अंतर्वलित होने के लिए किसी अपराध से दोषासेद्ध किया जा चुका हो ।

आवेदक का नाम	आवेदक के साथ नातेदारी	अपराध की प्रकृति	दोषासेद्धि तीन प्रकृति
--------------	-----------------------	------------------	------------------------

(xi) आवेदक या उसके किसी भागीदार या संप्रवर्तक या निदेशक या सहयुक्त के किन्हीं विधिक कार्यवाहियों (सिविल या दांडिक) में अन्तर्वलित होने के ब्यौरे ।

व्यक्ति का नाम	आवेदक के साथ नातेदारी	वह न्यायालय जिसके समक्ष मामला लंबित है	कार्यवाहियों की प्रकृति	अंतर्वलित अन्य पक्षकार	वर्तमान प्रारिथिति
----------------	-----------------------	--	-------------------------	------------------------	--------------------

- (xii) उस मामले, यदि कोई हो, के ब्यौरे जहां आवेदक या उसका कोई भागीदार या संप्रवर्तक या निदेशक या सहयुक्त दिवालिया घोषित किया गया है और निर्माचित किया गया हो ।
2. आयोग के समक्ष फाइल किया गया आवेदन तथा अन्य दस्तावेज किसी भी व्यक्ति के निरीक्षण के लिए के पास (यहां नाम, पदनाम, पता तथा उस व्यक्ति का टैलीफोन नम्बर जिसके पास आवेदन का निरीक्षण किया जा सकता है) उपलब्ध है ।
 3. आयोग के समक्ष फाइल किया गया आवेदन और अन्य दस्तावेज.....पर पोस्ट कर दिए गए हैं (उस वेबसाइट का पता दें जिस पर पोस्ट किया गया है)
 4. आयोग के समक्ष किए गए आवेदन पर आपत्तियाँ, यदि कोई हों, सचिव, केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग, कोर 3, रकोप काम्पलेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली 110003 को (या ऐसा अन्य पता दें जहां आयोग का कार्यालय अवस्थित है) आवेदक को प्रति देते हुए इस सूचना के प्रकाशन के तीस दिन के भीतर भेजी जा सकेंगी ।
 5. आयोग द्वारा उन आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा जो सूचना के प्रकाशन की तारीख के तीस दिन के पश्चात् प्राप्त होती हैं ।

स्थान

तारीख

प्राधिकृत हस्ताक्षरी का नाम

तथा पता

प्ररूप- 2**केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग****विद्युत व्यापारी के रूप में विद्युत में व्यापार करने के लिए अनुज्ञाप्ति**

विद्युत अधिनियम, 2003 (जिसे इसमें इसके पश्चात् “अधिनियम” कहा गया है) की धारा 14 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (जिसे इसमें इसके पश्चात् “आयोग” कहा गया है) अधिनियम (विशिष्टतया, इसकी धारा 17 से धारा 22, जिसमें दोनों सम्मिलित हैं), केन्द्रीय सरकार द्वारा बनाए गए नियमों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् “नियम” कहा गया है) और आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट विनियमों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् “विनियम” कहा गया है) जिनमें कानूनी संशोधन, परिवर्तन, उपांतरण, उसकी अधिनियमितियां भी सम्मिलित हैं, जो इस अनुज्ञाप्ति के भाग रूप में पढ़े जाएंगे, में अंतर्विष्ट निबंधनों और शर्तों के अधीन रहते हुए,क्षेत्र में विद्युत व्यापारी के रूप में विद्युत में व्यापार करने के लिए....., (जिसे इसमें इसके पश्चात् अनुज्ञाप्तिधारी कहा गया है) को—प्रवर्ग के रूप में यह अनुज्ञाप्ति प्रदान करता है।

2. सिवाय अधिनियम, नियमों तथा विनियमों के उपबंधों के अनुसार, यह अनुज्ञाप्ति अंतरणीय नहीं है।

3. (1) कोई भी अनुज्ञाप्तिधारी, आयोग के पूर्व अनुमोदन के बिना,—

(क) किसी अन्य अनुज्ञाप्तिधारी की उपयोगिता के संबंध में, क्रय द्वारा या ग्रहण करके या अन्यथा अर्जित करने का कोई संव्यवहार नहीं करेगा ; या

(ख) अपनी उपयोगिता का किसी अन्य अनुज्ञाप्तिधारी के साथ विलयन नहीं करेगा ;

(2) कोई भी अनुज्ञाप्तिधारी, किसी भी समय, आयोग के पूर्व अनुमोदन के बिना विक्रय, पट्टे, विनिमय या अन्यथा द्वारा अपनी अनुज्ञाप्ति को समनुदिष्ट नहीं करेगा या उसकी उपयोगिता का अंतरण नहीं करेगा।

(3) उपखंड (1) और उपखंड (2) में निर्दिष्ट किसी संव्यवहार से संबंधित कोई करार जब तक कि वह आयोग के पूर्व अनुमोदन के था उसके अधीन नहीं किया गया हो, शून्य होगा ।

(4) अनुज्ञाप्तिधारी को यह अनुज्ञाप्ति प्रदान करने से विद्युत व्यापारी के रूप में विद्युत का कारबार करने के लिए उसी क्षेत्र में किसी अन्य व्यक्ति को अनुज्ञाप्ति प्रदान करने के लिए आयोग के अधिकार किसी भी रूप में बाधित या निर्बंधित नहीं होंगे । अनुज्ञाप्तिधारी अनन्य रूप से कोई भी दावा नहीं करेगा ।

5. अनुज्ञाप्ति इसके जारी होने की तारीख से प्रारंभ होगी और जब तक कि यह पहले प्रतिसंहित नहीं कर ली जाती है, 25 (पच्चीस) वर्ष तक अवधि के लिए प्रवर्तन में रहेगी ।

6. अनुज्ञाप्तिधारी, आयोग के पूर्व अनुमोदन से, अपनी आस्तियों का अधिकतम उपराम करने के लिए कोई भी कारबार कर सकेगा :

परन्तु यह कि अनुज्ञाप्तिधारी विद्युत के पारेषण का कारबार नहीं करेगा ।

7. आयोग द्वारा जब तक कि अस्यां परिवर्तन अनुज्ञाप्तिधारी के वार्षिक अनुज्ञाप्ति फीस का संताय करेगा और वर्ष के भाग के लिए अनुज्ञाप्ति की दूरी तक निकटतम तक पूर्णांकित किए गए आनुपातिक आधार पर संकेत होती ।

इस खंड के प्रयोजन के लिए “दर्द” से कलैंडर वर्ष के 1 अप्रैल से शुरू होता है तथा 31 मार्च तक बारह मारा की अवधि अधिकतम है ।

8. अधिनियम की धारा 19 रु धारा 22, दोनों रांगत, में अंतर्विष्ट उपबंध अनुज्ञाप्ति का प्रतिसंहरण और उसकी उपयोगिता के बहुत सा संबंध है, अनुज्ञाप्तिधारी को लागू होगे ।

स्थान : नई दिल्ली ।

तारीख :

सचिव

प्रकृष्ट ३

को समाप्त होने वाले तिमाही के लिए जानकारी प्रस्तुत करने का प्रकृष्ट

(आयोग, प्रादेशिक भार प्रेषण केन्द्र और प्रादेशिक ऊर्जा समिति के समक्ष फाइल किया जाना है)

व्यापारी का नाम :

अनुज्ञाप्ति का बोध (सं० और तारीख) :

क्र.सं.	संख्यवहार की तरीख और समय	व्यापार की दिशुत मात्रा (मात्रा किंतु वाट घटे भैं)	* निम्नलिखित को विक्रीत से क्रय कीमत का स्थान	* निम्नलिखित को विक्रीत से क्रय कीमत का स्थान	क्रय कीमत और विक्रेता/व्यापारी/क्रेता*	विक्रय कीमत और विक्रेता/व्यापारी/क्रेता*	संदर्भ प्रभारी का वहन किया गया है।	वसूला याप्ति/मार्जिन	दिपाणिया			
योग												

टिप्पण : सभी संबंधवहार वारस्त्रविक समय आधार पर चाहे वे व्यस्ततम अवधि, कम व्यस्ततम अवधि या चौबीस घंटे का हो रिपोर्ट किए जाएंगे और उन्हें संकलित नहीं किया जाना चाहिए।

*विक्रेता/क्रेता के नाम के अलावा, विक्रेता/क्रेता का प्रवर्ग, अर्थात् उत्पादक, कैपिटिव ऊर्जा, संयंत्र, वितरण अनुज्ञाप्तिधारी, सरकार, उपभोक्ता (जब लगू हो) आदि, उपचारित करें।

** जो लागू न हो उसे काट दें।

4

31 मार्च को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए विद्युत व्यापारी के कार्य-निषादन के मानक को प्रस्तुत करने वाला प्ररूप (आयोग को प्रस्तुत किया जाना है)

त्यापारी का नाम :

क्र.सं.	वर्ष दौरान	के अनुज्ञाप्ति प्रदान करने से वर्तमान तिमाही तक संचयी की मात्रा	अनुज्ञाप्ति प्रदान करने के पश्चात् विद्युत के व्यापार परिवर्तन	क्या प्रवर्ग में परिवर्तन के कारण व्यापारी प्रवर्ग कोई परिवर्तन हुआ है।	क्या किसी परिवर्तन के कारण आयोग के पास वृद्धि हुई है। अतिरिक्त अनुज्ञाप्ति फीस जमा की गई है
					(हाँ/नहीं) (हाँ/नहीं)

प्रस्तुप 5

आवेदक का नाम तथा पता (स्पष्ट अक्षरों में)

विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 18 की उपधारा (2) के खंड (ख) के अधीन सूचना

1. ऊपर नामित व्यक्ति जिसे केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग द्वारा वर्ष में मिलियन यूनिट का अन्तर-राज्यिक व्यापार करने के लिए प्रवर्ग अनुज्ञाप्ति प्रदान की गई है, ने विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 18 की उपधारा (2) के खंड (ख) के अधीन अनुज्ञाप्ति में निम्नानुसार परिवर्तन तथा उपांतरण करने के लिए आयोग के समक्ष आवेदन किया है :
-

(आवेदन में दी गई अनुज्ञाप्ति में परिवर्तन तथा उपांतरण यहां दें)

2. परिवर्तन और उपांतरण करने के आधार निम्नलिखित हैं :-
-

(आवेदन में दी गई अनुज्ञाप्ति में परिवर्तन तथा उपांतरण यहां दें)

3. आयोग के समक्ष फाइल किए गए आवेदन को (वेबसाइट का नाम दें) पर पोस्ट कर दिया है तथा किसी भी व्यक्ति द्वारा उसका के पास निरीक्षण किया जा सकता है ।
-

(यहां वेबसाइट का पता दें तथा आवेदन में दिए गए प्राधिकृत व्यक्ति का नाम लिखें)

4. अनुज्ञाप्ति में परिवर्तन तथा उपांतरण के लिए आयोग के समक्ष फाइल किए गए आवेदन में ऊपर उल्लिखित प्रस्ताव संबंधी सुझाव, यदि कोई हों, सचिव, केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग, 7वीं मंजिल, कोर 3, रकोप कम्पलैक्स, लाधी रोड, नई दिल्ली- 110

003 (या ऐसा अन्य पता दें जहां आयोग का कार्यालय अवस्थित है) इस नियम के प्रकाशन के तीस दिन के भीतर, आवेदक को प्रति देते हुए भेजे जा सकेंगे।

5. आयोग द्वारा उन सुझावों पर विचार नहीं किया जाएगा जो तीस दिन की समाप्ति के पश्चात् प्राप्त होते हैं।

स्थान

तारीख

प्राधिकृत हस्ताक्षरी का नाम
तथा पता

CENTRAL ELECTRICITY REGULATORY COMMISSION NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd April, 2006

No. L-7/25(6)/2004-CERC.—In exercise of powers conferred under Section 178 of the Electricity Act, 2003 (36 of 2003), and all other powers enabling it in this behalf, and after previous publication, the Central Electricity Regulatory Commission hereby makes the following regulations to amend the Central Electricity Regulatory Commission (Procedure, Terms and Conditions for grant of Trading Licence and other related matters) Regulations, 2004, namely :—

1. **Short title and commencement:** (1) These regulations may be called the Central Electricity Regulatory Commission (Procedure, Terms and Conditions for grant of Trading Licence and other related matters) (Amendment) Regulations, 2006

(2) These regulations shall come into force on and from the date of their publication in the Official Gazette.
2. **Amendment of Regulation 2:** (1) After sub-clause (c) of regulation 2 of the Central Electricity Regulatory Commission (Procedure, Terms and Conditions for grant of Trading Licence and other related matters) Regulations, 2004 (hereinafter referred to as the principal regulations), the following shall be inserted, namely:-

(ca) "Associate", in relation to the applicant, includes a person –

- (i) who, directly or indirectly, by himself, or in combination with relatives, owns or controls shares carrying not less than twenty percent of the voting rights of the applicant; or
- (ii) in respect of whom the applicant, directly or indirectly, by himself, or in combination with other persons, owns or controls shares carrying not less than twenty percent of the voting rights; or
- (iii) majority of the directors of which, own or control shares carrying not less than twenty percent of the voting rights of the applicant; or
- (iv) whose director, officer or employee is also a director, officer or employee of the applicant ;

(2) After clause (e) of regulation 2 to the principal regulations, the following shall be inserted, namely:-

- "(ea) "Economic offence" means an offence to which the Economic Offences (Inapplicability of Limitation) Act, 1974 (12 of 1974), is applicable for the time being;
- (eb) "Fraud" has the same meaning as is assigned to it by section 17 of the Indian Contract Act, 1872 (9 of 1872);"

(3) After Clause (i) of regulation 2 of the principal regulations, the following shall be inserted, namely:-

"(ia) Net worth" means net worth as defined in the Companies Act, 1956 (1 of 1956) as amended from time to time, including re-enactment thereof."

(4) After Clause (j) of regulation 2 of the principal regulations, the following shall be inserted, namely:-

"(ja) "Relative" means a relative as defined in section 6 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);"

3. **Amendment of Regulation 4:** For clause (4) of regulation 4 of the principal regulations, the following shall be substituted, namely:-

"(4) The applicant shall within 7 days after making the application publish a notice of his application in all editions of at least two national daily newspapers including one economic daily newspaper in Form IA, with the following particulars, namely:-

(a) Name of the applicant (in bold) at the top clearly bringing out whether the applicant is an individual/sole proprietor, a partnership firm registered under the Indian Partnership Act, 1932 (9 of 1932), a private limited company or a public limited company, incorporated under the Companies Act, 1956, (1 of 1956), giving full particulars of its registered office address in case of a company incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and the address for correspondence and web site address in all cases;

- (b) A statement that the applicant has made an application for grant of licence for 'A' or 'B' or 'C' or 'D' or 'E' or 'F' category, as the case may be, for inter-state trading under sub-section (1) of Section 15 of the Act, to the Central Electricity Regulatory Commission;
- (c) Authorised, issued, subscribed and paid up share capital;
- (d) Share holding pattern (List of details of shareholders holding 5% or more shares directly or with relatives, number of shares held by each of them and %age of shares of the total paid up capital) financial and technical strength and management profile of the applicant;
- (e) Volume of electricity intended to be traded during the first year after grant of licence and the future plans for trading during the next 5 years;
- (f) Details of past experience of the applicant or the persons on its management in same or similar activity;
- (g) Geographical areas within which the applicant will undertake trading in electricity as stated in the application made to the Commission;
- (h) Net worth of the applicant as on 1st April of the financial year in which the application is made and on the date of making application;
- (i) A statement whether the applicant or any of his partners or promoters or Directors or Associates has been declared insolvent and has not been discharged, and if so, the details thereof;
- (j) A statement giving details of cases resulting in conviction of fraud or economic offences of the applicant, or any of his partners, promoters or

Directors or Associates during the three years preceding the year of making application;

(k) A statement giving details of all pending cases involving the applicant, or any of his partners or promoters or Directors or Associates, which shall include nature of the dispute, whether civil or criminal, name of the other party or parties, the court before whom pending and the latest status;

(l) A statement whether the applicant or any of his partners or promoters or Directors or Associates was ever refused licence, and if so, the details of date of making application, date of order refusing licence and reasons for refusal;

(m) A statement to the effect that the application and other documents filed before the Commission from time to time, are available for inspection with the applicant, by any person;

(n) Name and address and other relevant details of the person under the control of the applicant with whom the application and other documents can be inspected by any person;

(o) A statement to the effect that complete application is available on the web site of the applicant or any other authorised web site alongwith the details of the web site where the application is made available;

(p) A statement that objections, if any, be filed before the Secretary, Central Electricity Regulatory Commission, 7th Floor, Core-3, Scope Complex, Lodhi Road, New Delhi - 110 003 or such other address where

office of the Commission is situate, with a copy of the objections to the applicant, within 30 days of publication of the notice;

Explanation: For the purpose of this regulation, the national newspaper means a daily newspaper published simultaneously at New Delhi and in more than three other States or Union Territories."

4. **Amendment of Regulation 6:** For regulation 6 of the principal regulations, the following shall be substituted, namely:-

"6. Capital adequacy requirement and credit worthiness- Considering the volume of inter-state trading proposed to be undertaken, the net worth of the electricity trader at the time of application shall not be less than the amounts specified hereunder:

Sl. No.	Category of the Trading Licence	Volume of Electricity proposed to be traded (in Kilo - Watt Hours) in a year	Net worth (Rs. in crore)
1	A	Upto 100 million	1.50
2	B	100 to 200 million	3.0
3	C	200 to 500 million	7.5
4	D	500 to 700 million	10.0
5	E	700 to 1000 million	15.00
6	F	Above 1000 million	20.00

5. **Insertion of Regulation 6A:** After regulation 6 of the principal regulations, the following shall be inserted, namely:-

"6A. Disqualifications: The applicant shall not be qualified for grant of licence for inter-state trading if:

- (a) The applicant, or any of his partners, or promoters, or Directors or Associates is declared insolvent and has not been discharged; or

- (b) The applicant, or any of his partners, or promoters, or Directors or Associates is involved in any legal proceedings, and in the opinion of the Commission grant of licence in the circumstances, may adversely affect the interest of the electricity sector of the consumers; or
- (c) The applicant, or any of his partners, or promoters, or Directors or Associates has at any time in the past been convicted of an offence involving moral turpitude or any economic offence; or
- (d) An order canceling the licence of the applicant, or any of his partners, or promoters, or Directors or Associates, has been passed by the Commission on the ground of his indulging in fraudulent and unfair trade practices or market manipulation or activities involving moral turpitude; or
- (e) The applicant, has in the past been —
 - (i) refused a licence on the grounds which continue to remain valid; or
 - (ii) subjected to any proceedings for contravention of any of the provisions of the Act or the rules or the regulations made thereunder;or
- (f) The applicant is not considered a fit and proper person for the grant of licence for any other reason to be recorded in writing;

Explanation: For the purpose of determining as to whether the applicant is a 'fit and proper person', the Commission may take account of any consideration, as it deems fit, including but not limited to the following, namely:—

- (i) financial integrity of the applicant;
- (ii) his competence;
- (iii) his reputation and character; and
- (iv) his efficiency and honesty."

6. Amendment of Regulation 7: (1) After clause (b) of regulation 7 of the principal regulations, the following proviso shall be added, namely:-

"Provided that in case the licensee proposes to increase the volume of electricity to be traded in a year, he may increase his net worth in keeping with his proposal, obtain prior approval of the Commission to his proposal and pay the licence fee as applicable for the higher category."

(2) After clause (d) of regulation 7 of the principal regulations the following shall be inserted, namely:-

"(da) If the licensee moves from a higher category to a lower category based on the volume of electricity traded, the technical and capital adequacy requirement shall be applicable accordingly."

7. Amendment of Regulation 11: After the third proviso to clause (b) of regulation 11 of the principal regulations, the following shall be inserted, namely:-

"(c) Submit to the Commission copies of the Annual Report including Directors' report, Auditors' report, Balance Sheet and Profit & Loss Account pertaining to inter-state trading segment of the business along with all the schedules and notes

THE GOVERNMENT OF INDIA (EXTRAORDINARY)
NOTIFICATION
Dated the 1st April, 1971.

to the accounts, not later than one month after the close of the year to which they relate,

- (d) Submit to the Commission the following details as and when occurring:
- (i) when the applicant or any of his partners, or promoters, or Directors or Associates is declared insolvent and has not been discharged;
 - (ii) when the applicant or any of his partners, or promoters, or Directors or Associates is involved in any legal proceedings, civil and criminal;
 - (iii) when the applicant or any of his partners, or promoters, or Directors or Associates has at any time been convicted of an offence involving moral turpitude or any economic offence.

8 Amendment of Regulation 12: For clause (2) of regulation 12 of the principal regulations, the following shall be substituted, namely:-

- (2) The licensee shall furnish the performance details for each year to the Commission in the format prescribed in Form IV, appended to these regulations by 30th April immediately following the year ending on 31st March."

9 Amendment of Regulation 14: (1) After clause (1) of regulation 14 of the principal Regulations, the following proviso shall be inserted, namely:-

"Provided that before ordering any alteration and modifications in the licence proposed to be made otherwise than on the application of the licensee, the

Commission shall publish a notice in two such daily newspapers as it considers necessary with the following particulars; namely:-

- (a) name and address of the licensee;
- (b) alterations and modifications proposed to be made;
- (c) grounds for such alteration and modifications; and
- (d) inviting suggestions, if any, on the proposal for consideration of the Commission within the time specified in the notice."

(2) After clause (2) of the regulation 14 of the principal regulations, the following proviso shall be inserted, namely:-

"Provided that where the licensee has made an application under sub-section (1) of Section 18 of the Act, proposing any alteration and modifications in his licence, he shall publish a notice of such application in all editions of two national daily newspapers, including one economic newspaper, in Form V, with the following particulars, namely:-

- (a) name of the applicant;
- (b) category of the licence granted to him;
- (c) that an application for alterations and modifications has been made before the Commission;
- (d) details of alterations and modifications proposed in the application;
- (e) reasons for seeking such alterations and modifications;

- (f) a statement that the application made before the Commission has been posted on the web site and can also be inspected in the office of the applicant;
- (g) a statement that any suggestion to the proposal for alterations and modifications made in the application may be submitted to the Secretary of the Commission within one month of publication of the notice;

Explanation : For the purpose of this regulation, 'national newspaper' has the same meaning as assigned under regulation 4 of these regulations.

10. **Insertion of Regulation 14A:** After regulation 14 of the principal regulations, the following shall be inserted, namely:-

14A. Procedure for securing compliance of terms and conditions of licence-

(1) Where the Commission, on the basis of material in its possession is satisfied that the licensee is contravening, or is likely to contravene, the terms and conditions of licence, it shall serve a notice to the licensee narrating the terms and conditions of licence contravened or likely to be contravened by him to invite his objections.

(2) The notice may be served on him by delivering the same at the registered office or at the usual or his last known place of residence or business, either through registered post/speed post or by hand delivery through a messenger or publication in the newspaper where the Commission is satisfied that it is not reasonably practicable to serve the notice on the licensee through registered post/speed post or by hand delivery or in any other manner as considered appropriate by the Commission in the facts and circumstances of the case.

(3) The Commission shall publish a notice in two newspapers specifying the terms and conditions contravened or likely to be contravened by the licensee to bring the matters to the attention of persons affected or likely to be affected by such contraventions, to invite suggestions from such persons.

(4) The licensee or the persons affected or likely to be affected by the contravention of the terms and conditions of the licence by the licensee may file their objections or suggestions within 30 days from the date of receipt of notice under clause (1) or publication of notice in the newspapers under clause (3), as he case may be.

(5) The Commission shall on consideration of the objections and suggestions received as aforesaid, pass such order or give such directions as may be necessary to secure compliance of the terms and conditions of license."

11. Amendment of Regulation 15: After second proviso to clause (v) of regulation 15 of the principal regulations, the following shall be inserted, namely:-

"(vi) Where the licensee fails to meet the eligibility criteria in accordance with these regulations;

(vii) Where the licensee fails to submit the information as required in accordance with the regulation 11."

12. Substitution of Form I, Form III and Form IV: Form I, Form III and Form IV annexed to the principal regulations shall be substituted by the respective form annexed to these Regulations.

A. K. SACHAN, Secy.

[ADVT III/IV/150/2006/Exty.]

Note.— The principal regulations were published vide No.L-7/25(6)/2004 dated 30 January, 2004 in Part III, Section 4 of the Gazette of India (Extraordinary) dated 6th February, 2004.

The consolidated regulations, after incorporating the amendments to the principal regulations are annexed.

FORM I**Application form for grant of licence for Inter-State Trading****Particulars of the Applicant**

1. Name of the applicant
2. Address
 - (a) Registered office address
 - (b) Address for correspondence
 - (c) Web site address
3. Name, Designation and Address of the contact person
4. Contact Tel. Nos.
5. Fax No.
6. E-mail ID
7. Status of the applicant
(Whether a company incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) partnership firm, individual or any other. If listed, name of Stock Exchanges on which listed and latest share price to be given)
8. Place of Incorporation/Registration
9. Year of Incorporation/Registration
10. Authorised, issued, subscribed and paid up share capital

Note : Copies of the following documents shall be enclosed

- (a) Certificate of incorporation/registration
- (b) Certificate for commencement of business, where applicable

(c) Memorandum of Association and Articles of Association

(d) Original power of attorney of the signatory to commit the Applicant or its promoter

11. Category of licence applied for :

12. Volume of Trading:

Volume of power intended to be traded during the first year after grant of licence and the future plans for trading during the next 5 years;

13. Area of Trading:

Geographical areas within which the applicant will undertake trading in electricity

Details of Financial Data of Applicant

14. (i) Net worth as per the audited accounts for the preceding five years (in equivalent Indian Rupees-conversion to be done at the rate of exchange prevailing at the end of each year) for immediate past 3 (three) financial years. (Specify financial year as applicable)
- (ii) Net worth as on the date of making application.

(DD/MM/YY) to (DD/MM/YY)

	In Home Currency	Exchange rate used	In equivalent Indian Rs.
(a) Year 1() to ()	-----	-----	-----
(b) Year 2() to ()	-----	-----	-----
(c) Year 3() to ()	-----	-----	-----

Note: Copies of Annual Reports or certified audited accounts for the preceding five years to be enclosed in support of above.

15. Details of shareholding as on the date of making application

(Give details of each of the shareholders holding 5% and above of the shares of the applicant directly or indirectly, or with relatives)

- (a) Name of the shareholder
 (b) Citizenship
 (c) Residential status
 (d) No. of shares held
 (e) %age holding of total paid up capital of the company

16. Annual turnover (in equivalent Indian Rupees - conversion to be done at the rate of exchange prevailing at the end of each year) for immediate past 5 (five) financial years. (Specify financial year as applicable)

(DD/MM/YY) to (DD/MM/YY)

	In Home Currency	Exchange rate used	In equivalent Indian Rs.
(a) Year 1() to ()	-----	-----	-----
(b) Year 2() to ()	-----	-----	-----
(c) Year 3() to ()	-----	-----	-----
(d) Year 4() to ()	-----	-----	-----
(e) Year 5() to ()	-----	-----	-----

Copies of Annual Reports or certified audited results to be enclosed in support of above.

17 Organisational and Managerial Capability of the applicant:

(The applicant is required to enclose proof of its Organisational & Managerial Capability, in terms of these regulations, in form of proposed organisational structure and curriculum vitae of various executives, proposed office and communication facilities, etc.)

18. Approach and Methodology:

(The applicant is required to describe approach and methodology for establishment of the trading arrangements as proposed by him.)

19. Other Information

- (a) Whether the applicant or any of his partners or promoters or Directors or Associates has been declared insolvent and has not been discharged. If so, the details thereof.
- (b) Details of cases resulting in conviction of fraud or economic offences of the applicant, any of his partners, promoters or Directors or Associates during the three years preceding the year of making application.
- (c) Details of all pending cases involving the applicant, any of his partners or promoters or Directors or Associates, which shall include nature of the dispute, whether civil or criminal, name of the other party or parties, the court before whom pending and the latest status.
- (d) Whether the applicant or any of his partners, or promoters or Directors or Associates was ever refused licence. If so, give the details of date of making application, date of refusal and reasons for refusal.

20. List of documents enclosed:

Name of the document

- (a) _____
- (b) _____
- (c) _____
- (d) _____

Place:

Date :

(Signature of the Applicant)
or the authorised person

FORM 1A

Name of the Applicant (in Bold letters)

Registered Office/Corporate Office Address (in Bold letters)

Notice under sub-section (2) of Section 15 of the Electricity Act,2003 (in Bold letters)

1.	<p>The person above-named, a company incorporated under the Companies Act, 1956/a partnership or sole proprietorship firm/an individual (strike out whichever is not applicable) (the applicant) has made an application under sub-section (1) of Section 15 of the Electricity Act, 2003 for grant of Category _____ licence for inter-state trading in electricity within _____ (indicate the geographical area within which the applicant proposes to undertake trading) before the Central Electricity Regulatory Commission, New Delhi. The necessary details in respect of the applicant are given hereunder:</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) Authorised, issued, subscribed and paid up capital (ii) Shareholding pattern (indicate the details of the shareholders holding 5% or more shares) <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <thead> <tr> <th style="text-align: left; width: 25%;">Name of the shareholder</th> <th style="text-align: left; width: 25%;">citizenship</th> <th style="text-align: left; width: 25%;">Residential status</th> <th style="text-align: left; width: 25%;">No. of shares</th> <th style="text-align: left; width: 25%;">Percentage of holding of the paid up capital</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td> </td> <td> </td> <td> </td> <td> </td> <td> </td> </tr> </tbody> </table> <ul style="list-style-type: none"> (iii) Volume of electricity intended to be traded during the first year after grant of licence and future plans of the applicant to expand volume of trading (iv) Financial and technical strength (v) Management profile (vi) Net worth as on the date on which the application is made (vii) Past experience of the applicant and/or the persons on the management of 	Name of the shareholder	citizenship	Residential status	No. of shares	Percentage of holding of the paid up capital					
Name of the shareholder	citizenship	Residential status	No. of shares	Percentage of holding of the paid up capital							

- the applicant in generation, transmission, distribution and trading of electricity or similar activity
- (viii) Year-wise current ratio and liquidity ratio of the applicant for three years preceding the year in which the application is mad.
- (ix) (a) A statement whether applicant is authorized to undertake trading in electricity under the Memorandum of Association or any other document
(b) If so, reproduce the specific provision of Memorandum of Association or any other document so authorizing trading in electricity
- (x) Details of the cases, if any, in which the applicant or any of his partners or promoters or Directors or Associates has been convicted of an offence involving moral turpitude or any economic offence during the previous three years preceding the year of making the application:

<u>Name of the person</u>	<u>Relationship with the applicant</u>	<u>Nature of offence</u>	<u>Date of conviction</u>
---------------------------	--	--------------------------	---------------------------

- (xi) Details of pending legal proceedings (civil and criminal), if any, involving the applicant or any of his partners or promoters or Directors or Associates:

<u>Name of the person</u>	<u>Relationship with the applicant</u>	<u>Court before which pending</u>	<u>Nature of proceedings</u>	<u>Other party involved</u>	<u>Present status</u>
---------------------------	--	-----------------------------------	------------------------------	-----------------------------	-----------------------

- (xii) Details of cases, if any, where the applicant or any of his partners or promoters or Directors or Associates has been declared insolvent and has not been discharged.

2.	The application made and other documents filed before the Commission are available for inspection by any person with (Give here name, designation, address and telephone number of the person with whom the application can be inspected)
3.	The application made and other documents filed before the Commission have been posted on (Give address of the web site on which the application is posted).
4.	Objections, if any, on the application made before the Commission may be sent to the Secretary, Central Electricity Regulatory Commission, Core-3, Scope Complex, Lodi Road, New Delhi-110 003 (or give other address where office of the Commission is situated) within 30 days of publication of this notice, with a copy to the applicant.
5.	No objection shall be considered by the Commission if received after expiry of 30 days of publication of this notice.

Place:

Name and Designation of the
Authorised Signatory

Date :

FORM - III

**Proforma for submission of information for the Quarter ending
(To be submitted to the Commission, Regional Load Despatch Centre and Regional Power Committee)**

Name of the Trader:

License details (No & date):

S. No.	Date and time of transaction	Volume of electricity Traded (in million kWhs)	Purchased from*	Sold to*	Point of purchase	Purchase price	Point of sale	Sale price	Transmission/wheeling charges paid, and whether the charges borne by Seller/Trader/Buyer**	Transmission/losses paid, and whether the charges borne by Seller/Trader/Buyer**	UI charges paid, and whether the charges borne by Seller/Trader/Buyer**	Trading margin recovered	Remarks
Total													

Note : All the transactions shall be reported on real time basis whether during peak period, off peak period or round the clock should not be aggregated.

* Besides the name of the seller/buyer, indicate the category of the seller/buyer namely generator, captive power plant, distribution licensee, Government, consumer (when applicable) etc.

** Strike out whichever is not applicable.

FORM - IV**Proforma for submission of Standards of Performance by Electricity Trader for the year ending 31st March**

(To be submitted to the Commission)

Name of the Trader:
Licence details (No. & date):

S.No.	Volume of electricity traded during the year	Cumulative trading up to the present year since grant of licence	Whether there is any change in the category of electricity trader after grant of licence. If yes, give the necessary details	Whether net worth is increased for reason of change to higher category. If yes, give the necessary details	Whether additional license fee, due to charge to higher category deposited with the Commission. If yes, give the necessary details	Whether any violation to the licence conditions pointed out by any agency or observed by the licensee himself. If so, give details thereof	Payment track record for electricity purchased for trading	Remarks
								(Yes / No) (Yes / No) (Yes / No) (Yes / No)

FORM V

Name and address of the Applicant (in Bold letters)

Notice under Clause (b) of sub-section (2) of Section 18 of the Electricity Act,2003

<p>1. The person above-named, who has been granted a Category _____ licence by the Central Electricity Regulatory Commission (the Commission) for inter-state trading of _____ Million Units in a year, has made an application before the Commission under clause (b) of sub-section (2) of Sectioin 18 of the Electricity Act, 2003 for alterations and modifications in the licence as given hereunder:</p> <p>.....</p> <p>(Give here the details of alterations and modifications in the licence given in the application)</p>
<p>2. The grounds for seeking alteration and modification are that:</p> <p>.....</p> <p>(Give here the grounds for alterations and modifications in the licence given in the application)</p>
<p>3. The application made before the Commission is posted on _____ (Give here details of web site address) and can be inspected by any person with</p> <p>.....</p> <p>(Give here the name of the person authorised as given in the application)</p>
<p>4. The suggestions, if any, on the above-noted proposals for alteration and modifications in the licence, in the application made before the Commission, may be sent to the Secretary, Central Electricity Regulatory Commission, 7th Floor, Core-3, Scope Complex, Lodhi Road, New Delhi – 110003 (Or give other address where the Office of the Commission is situate) within 30 days of publication of this notice, with a copy to the applicant.</p>

5. No suggestions shall be considered by the Commission, if received after expiry of period of 30 days.

Place:

Name and Designation of the Authorised Signatory

Date :

CENTRAL ELECTRICITY REGULATORY COMMISSION
New Delhi

NOTIFICATION

No.L-7/25(6)/2004

Dated the 30th January, 2004

In exercise of powers conferred under Section 178 of the Electricity Act, 2003 and of all other powers enabling in this behalf, and after previous publication, the Central Electricity Regulatory Commission hereby makes the following regulations, namely: -

CHAPTER- I: PRELIMINARY

1. Short Title and Commencement

- (a) These regulations shall be called the Central Electricity Regulatory Commission (Procedure, Terms & Conditions for grant of Trading Licence and other related matters) Regulations, 2004.
- (b) These regulations shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions and Interpretation

- (1) In these regulations unless the context or subject-matter otherwise requires,-
 - (a) "Act" means the Electricity Act, 2003, (36 of 2003);

Amended vide notification No.L-7/25(6)/2004-CERC dated 3rd April, 2006

(b) "Applicant" means a person who has made an application to the Commission for grant of licence for inter-state trading:

Provided that such person is a resident of India, or a partnership firm registered under the Indian Partnership Act, 1932 (9 of 1932), or a company incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) or an association or body of individuals whether incorporated or not or an artificial juridical person subject to Indian laws;

(c) "Agreement" means the agreement entered into between the electricity trader and the seller of electricity on the one hand and the electricity trader and the buyer of electricity on the other;

(ca) "Associate", in relation to the applicant, includes a person, —

- (i) who, directly or indirectly, by himself, or in combination with relatives, owns or controls shares carrying not less than twenty percent of the voting rights of the applicant; or
- (ii) in respect of whom the applicant, directly or indirectly, by himself, or in combination with other persons, owns or controls shares carrying not less than twenty percent of the voting rights; or
- (iii) majority of the directors of which, own or control shares carrying not less than twenty percent of the voting rights of the applicant; or
- (iv) whose director, officer or employee is also a director, officer or employee of the applicant;

- (d) "Commission" means the Central Electricity Regulatory Commission referred to in Section 76 of the Act;
- (e) "Conduct of Business Regulations" means the Central Electricity Regulatory Commission (Conduct of Business) Regulations, 1999, as amended from time to time and includes any statutory re-enactment thereof;
- (ea) "Economic offence" means an offence to which the Economic Offences (Inapplicability of Limitation) Act, 1974 (12 of 1974), is applicable for the time being;
- (eb) "Fraud" has the same meaning as is assigned to it by section 17 of the Indian Contract Act, 1872 (9 of 1872);
- (f) "Grid Code" means the Grid Code specified by the Commission under clause (h) of sub-section (1) of Section 79 of the Act and includes the Indian Electricity Grid Code applicable on the date of commencement of these regulations;
- (g) "Inter-state trading" means transfer of electricity from the territory of one State to the territory of another State by an electricity trader;
- (h) "Licence" means a licence granted under Section 14 of the Act to undertake inter-state trading in electricity as an electricity trader;

- (i) "Licensee" means a person who has been granted a licence under Section 14 of the Act to undertake inter-state trading in electricity as an electricity trader;
- (ia) "Net worth" means net worth as defined in the Companies Act, 1956 as amended from time to time, including re-enactment thereof;
- (j) "Other Business" means any business of the licensee other than the licensed business of inter-state trading;
- (ja) "Relative" means a relative as defined in Section 6 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (k) "Year" means a period of twelve months from 1st April of a calendar year to 31st March of the following calendar year.
- (2) Save as aforesaid and unless repugnant to the context or the subject-matter otherwise requires, words and expressions used in these regulations and not defined, but defined in the Act, and the Grid Code shall have the meanings assigned to them respectively in the Act or the Grid Code.
- (3) The provisions of the General Clauses Act, 1897 (10 of 1897) as amended from time to time shall apply for the interpretation of these regulations as they apply for the interpretation of an Act of Parliament.
- (4) These regulations shall be applicable to trading carried out bilaterally between the generating company, including captive generating plant, distribution licensee

and the electricity trader on the one hand and the electricity trader and the distribution licensee on the other:

Provided that the scope and applicability of these regulations may be reviewed from time to time to keep pace with the developments of formulation of regulations for open access in distribution by the State Electricity Regulatory Commissions or introduction of power exchange market by the Commission.

CHAPTER-II : PROCEDURE FOR GRANT OF LICENCE FOR INTER-STATE TRADING

3. All proceedings under these regulations shall be governed by the Conduct of Business Regulations.
4. (1) The application for grant of licence for inter-state trading shall be made to the Commission in the manner specified under these regulations, in Form-I appended to these regulations and shall be accompanied by such fee as may be prescribed by the Central Government:

Provided that till such time the fee is prescribed by the Central Government, the application for grant of licence for inter-state trading shall be accompanied by a fee of Rs.1.00 lakh (Rupees one lakh only) payable through Bank Draft/Pay Order drawn in favour of Assistant Secretary, Central Electricity Regulatory Commission, New Delhi, and the fee so paid shall be subject to adjustment as and when the fee is prescribed by the Central Government.

(2) The application for grant of licence for inter-state trading, along with annexures and enclosures shall also be submitted to the Commission on compact disc (CD).

(3) The applicant shall post complete application along with annexures and enclosures on his own web site or any other authorised web site, so as to facilitate access to the application by any person through Internet.

(4) The applicant shall within 7 days after making such application, publish a notice of his application, in all editions of at least two national daily newspapers including one economic daily newspaper in Form IA, with the following particulars, namely:-

- (a) Name of the applicant (in bold) at the top clearly bringing out whether the applicant is an individual/sole proprietor, a partnership firm registered under the Indian Partnership Act 1932 (9 of 1932), a private limited company or a public limited company, incorporated under the Companies Act, 1956, (1 of 1956) giving full particulars of its registered office address in case of a company incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and address for correspondence and web site address in all cases;
- (b) A statement that the applicant has made an application for grant of licence for 'A' or 'B' or 'C' or 'D' or 'E' or 'F' category, as the case may be, for inter-state trading under sub-section (1) of Section 15 of the Act, to the Central Electricity Regulatory Commission;
- (c) Authorised, issued, subscribed and paid up share capital;
- (d) Share holding pattern (List of details of shareholders holding 5% or more shares directly or with relatives, number of shares held by each of them and %age of shares of the total paid up capital) financial and technical strength and management profile of the applicant;

- (e) Volume of power intended to be traded during the first year after grant of licence and the future plans for trading during the next 5 years;
- (f) Details of past experience of the applicant or the persons on its management in same or similar activity;
- (g) Geographical areas within which the applicant will undertake trading in electricity as stated in the application made to the Commission;
- (h) Net worth of the applicant as on 1st April of the financial year in which the application is made and on the date of making application;
- (i) A statement whether the applicant or any of his partners or promoters or Directors or Associates has been declared insolvent and has not been discharged, and if so, the details thereof;
- (j) A statement giving details of cases resulting in conviction of fraud or economic offences of the applicant, or any of his partners, promoters or Directors or Associates during the three years preceding the year of making application;
- (k) A statement giving details of all pending cases involving the applicant, or any of his partners or promoters or Directors or Associates, which shall include nature of the dispute, whether civil or criminal, name of the other party or parties, the court before whom pending and the latest status;

- (l) A statement whether the applicant or any of his partners or promoters or Directors or Associates was ever refused licence, and if so, the details of date of making application, date of order refusing licence and reasons for refusal;
- (m) A statement to the effect that the application and other documents filed before the Commission from time to time, are available for inspection with the applicant, by any person;
- (n) Name and address and other relevant details of the person under the control of the applicant with whom the application and other documents can be inspected by any person;
- (o) A statement to the effect that complete application is available on the web site of the applicant or any other authorised web site alongwith the details of the web site where the application is made available;
- (p) A statement that objections, if any, be filed before the Secretary, Central Electricity Regulatory Commission, 7th Floor, Core-3, Scope Complex, Lodhi Road, New Delhi - 110 003 or such other address where office of the Commission is situate, with a copy of the objections to the applicant, within 30 days of publication of the notice;

Explanation: For the purpose of this regulation, the national newspaper means a daily newspaper published simultaneously at New Delhi and in more than three other States or Union Territories.

- (5) The applicant shall within 7 days from the date of publication of the notice as aforesaid submit to the Commission on affidavit the details of the notice

published and shall also file relevant copies of the newspapers in which the notice is published.

(6) The applicant may file his comments on the objections or suggestions received in response to the notice within 45 days of its publication in the newspapers.

(7) The Commission may consider the application for grant of licence for inter-state trading through a hearing or without any hearing, as considered appropriate:

Provided that the Commission may issue a licence for inter-state trading on being satisfied that the applicant qualifies for issue of such licence under the provisions of the Act and the Rules and the Regulations:

Provided further that before granting the licence, the Commission shall publish a notice of its proposal to grant the licence in two daily newspapers, as the Commission may consider necessary, stating the name and address of the person to whom it proposes to issue the licence, with such other details as the Commission considers appropriate.

(8) As far as practicable the licence shall be granted in accordance with format prescribed in Form 2 appended to these regulations,

CHAPTER III – REQUIREMENTS OF BEING AN ELECTRICITY TRADER

5. Technical Requirements

(1) The applicant shall have at least one full-time professional having, experience in each of the following disciplines, namely:-

(i) Power System Operations and commercial aspects of power transfer; and

(ii) Finance, commerce and accounts.

- (2) The technical requirement of staff shall be complied with before undertaking trading activities, notwithstanding the fact that the Commission has granted the licence for inter-state trading.
- (3) The applicant shall furnish to the Commission the details of the professional and the supporting staff engaged by him on full-time basis before undertaking inter-state trading.

6. Capital adequacy Requirement and Creditworthiness: Considering the volume of inter-state trading proposed to be undertaken, the net worth of the electricity trader at the time of application shall not be less than the amounts specified hereunder:

Sl. No.	Category of the Trading Licence	Volume of Electricity proposed to be traded (in Kilo – Watt Hours) in a year	Net worth (Rs. in crore)
1.	A	Upto 100 million	1.50
2.	B	100 to 200 million	3.0
3.	C	200 to 500 million	7.5
4.	D	500 to 700 million	10.0
5.	E	700 to 1000 million	15.00
6.	F	Above 1000 million	20.00

6A. Disqualifications: The applicant shall not be qualified for grant of licence for inter-state trading if:

- (a) The applicant, or any of his partners, or promoters, or Directors or Associates is declared insolvent and has not been discharged; or
- (b) The applicant, or any of his partners, or promoters, or Directors or Associates is involved in any legal proceedings, and in the opinion of the Commission grant of licence in the circumstances, may adversely affect the interest of the electricity sector of the consumers; or

- (c) The applicant, or any of his partners, or promoters, or Directors or Associates has at any time in the past been convicted of an offence involving moral turpitude or any economic offence; or
- (d) An order canceling the licence of the applicant, or any of his partners, or promoters, or Directors or Associates, has been passed by the Commission on the ground of his indulging in fraudulent and unfair trade practices or market manipulation or activities involving moral turpitude; or
- (e) The applicant, has in the past been –
 - (i) refused a licence on the grounds which continue to remain valid; or
 - (ii) subjected to any proceedings for contravention of any of the provisions of the Act or the rules or the regulations made thereunder; or
- (f) The applicant is not considered a fit and proper person for the grant of licence for any other reason to be recorded in writing;

Explanation: For the purpose of determining as to whether the applicant is a 'fit and proper person', the Commission may take account of any consideration, as it deems fit, including but not limited to the following, namely:—

- (i) financial integrity of the applicant;
- (ii) his competence;
- (iii) his reputation and character; and
- (iv) his efficiency and honesty.

CHAPTER - IV : TERMS AND CONDITIONS OF THE LICENCE

7. Obligations of the Licensee

The licensee shall be subject to the following obligations; namely:-

- (a) The licensee shall comply with the requirements of laws in force and, in particular, the Act, the Rules and the Regulations, Grid Code, orders and directions issued by the Commission and the State Electricity Regulatory Commission (s) from time to time;
- (b) The licensee shall increase his net worth if the volume of trade moves from a lower category to a higher category and the change of category shall be decided based on the volume of electricity traded as on 31st March of each year, and of which the licensee shall keep the Commission informed of his moving from one category to the other and subsequent changes in the net worth:

Provided that in case the licensee proposes to increase the volume of electricity to be traded in a year, he may increase his net worth in keeping with his proposal, obtain prior approval of the Commission to his proposal and pay the licence fee as applicable for the higher category;

- (c) The licensee shall be subject to the trading margins for the inter-state trading as fixed by the Commission, from time to time;
- (d) The licensee shall be governed by the technical requirements, capital adequacy requirements and creditworthiness specified by the Commission in

these regulations, for being an electricity trader and shall upgrade these technical and capital adequacy requirements, including staff, when the volume of trading increases;

- (da) If the licensee moves from a higher category to a lower category based on the volume of electricity traded, the technical and capital adequacy requirement shall be applicable accordingly;
- (e) The licensee shall establish adequate communication facilities like telephone, fax, computer, internet facilities, before undertaking trading;
- (f) The licensee shall coordinate with Regional Electricity Boards or Regional Power Committees, as the case may be, the Regional Load Despatch Centres/State Load Despatch Centres, and Central Transmission Utility/State Transmission Utilities with regard to all trading-related activities;
- (g) The licensee shall render all assistance to any person authorised by the Commission for carrying out his duties relating to the licence;
- (h) Trading shall be carried out bilaterally between the parties by entering into appropriate contracts. Necessary safeguards with regard to supply of electricity through trading, or payment for the electricity traded shall be included in the agreements between the parties. All trading arrangements shall be done through the letters of credit or with any other superior instrument;
- (i) The licensee shall pay the licence fee specified under these regulations in accordance with the time-schedule specified hereunder;
- (j) The licensee shall not omit or neglect to undertake trading activity for four consecutive quarters;

- (k) The licensee shall not enter into any agreement leading to abuse of his dominant position or enter into a combination which is likely to cause or causes an adverse effect on competition in electricity industry;
- (l) The licensee shall maintain up-to-date record of his customers and the transactions undertaken by him with other parties.

8. Prohibited Activities

- (1) The licensee shall not, without prior approval of the Commission:
 - (i) Acquire by purchase or take over or otherwise the utility of any other licensee; or
 - (ii) Merge his utility with the utility of any other licensee; or
 - (iii) Assign or transfer his licence to any person, by sale, lease, exchange or otherwise.
- (2) The licensee shall not engage in the business of transmission of electricity.
- (3) Wherever prior approval of the Commission is required, the licensee shall file an appropriate application before the Commission, in accordance with the Conduct of Business Regulations.

9. Payment of Licence Fee

- (1) The licensee shall pay to the Commission the annual licence fee of the amount specified hereunder, payable by means of a demand draft or pay order drawn in favour of Assistant Secretary, Central Electricity Regulatory Commission, New Delhi:

Sl. No.	Category	Volume of Electricity proposed to be traded per annum (in Kilo – Watt Hours)	Licence fee (Rs. in lakh)
1	A	Upto 100 million	1.00
2	B	100 to 200 million	2.00
3	C	200 to 500 million	5.00
4	D	500 to 700 million	7.00
5	E	700 to 1000 million	10.00
6	F	Above 1000 million	15.00

Provided that for a part of the year, the licence fee shall be payable pro rata on number of days basis:

Provided further that the licence fee calculated on pro rata basis for a part of the year shall be rounded off to nearest hundred rupees.

(2) The licence fee shall be paid by 15th April of each year, and in case the licensee has moved from a lower category to a higher category, the balance of licence fee shall be paid before 30th April of each year:

Provided that the first installment of the licence fee shall be paid within a period of one month from the date of issue of licence:

Provided further that in case the licensee fails to pay the licence fee or a part thereof, the licensee shall be liable to pay late payment surcharge on the outstanding amount at the rate of 1% of the licence fee payable per month or a part of the month, for the period the licence fee or any part thereof remains unpaid.

(3) Notwithstanding the liability of the licensee to pay the late payment surcharge as aforesaid, the delay in payment of licence fee or a part thereof, shall be construed as breach of the terms and conditions of the licence and the licence shall be liable to be revoked.

10. Accounts of the Licensee

(1) The licensee shall -

- (a) Maintain separate information and statement of accounts for the business of inter-state trading covered by the licence;
- (b) Maintain the statement of accounts in such form and contain such particulars as may be specified by the Commission and till such time these are specified by the Commission, the accounts shall be maintained in accordance with the Companies Act, 1956, (1 of 1956) as amended from time to time;
- (c) Keep the accounts of the business of inter-state trading separate from other business, whether licensed or otherwise;
- (d) Prepare on a consistent basis from such records accounting statements for each financial year comprising a profit and loss account, a balance sheet and a statement of source and application of funds together with notes thereto and showing separately the amounts of any revenue, cost, asset, liability, reserve, or provision which has been either;
 - (i) Charged from or to any other business together with a description of the basis of that charge; or
 - (ii) Determined by apportionment or allocation between the various business activities together with a description of the basis of the apportionment or allocation;
- (e) Provide in respect of the accounting statements prepared in accordance with foregoing clauses, a report by the Auditors in respect of each year, stating whether in their opinion the statements have been properly prepared and give a true and fair view of the revenue, costs, assets, and liabilities, reserves reasonably attributable to the business to which the statements relate and

- (f) Submit to the Commission copies of the accounting statements and Auditor's report not later than nine months after the close of the year to which they relate.
- (2) Any person authorised by the Commission shall be entitled to inspect and verify the accounts of the licensee and the licensee shall render all necessary assistance to such person.

11. Submission of Information

The licensee shall,-

- (a) Supply such information, as may be called for by the Commission from time to time;
- (b) Furnish the information as may be required from time to time, to monitor the licensee's performance and compliance of the terms and conditions of the licence and any other legislative or regulatory requirement in Form III appended to these regulations for submission of information:

Provided that the information in the prescribed Form shall be furnished to the Regional Load Despatch Centre and Regional Electricity Board or Regional Power Committee, as the case may be with a copy to the Commission, on a quarterly basis on 10th day of April, July, October and January for the quarters January to March, April to June, July to September and October to December respectively and the format for submission of information shall be filled up complete in all respects and no column shall be left blank:

Provided further that the report sent to the Regional Load Despatch Centre and the Regional Electricity Board or the Regional Power Committee, as the

case may be, shall be posted on the web site of the electricity trader or any other authorised web site:

Provided also that the Regional Load Despatch Centre and Regional Electricity Board or Regional Power Committee, as the case may be, shall verify the quantum of energy traded, as indicated in the reports and submit a report to the Commission.

- (c) Submit to the Commission copies of the Annual Report including Directors' report, Auditors' report, Balance Sheet and Profit & Loss Account pertaining to inter-state trading segment of the business alongwith all the schedules and notes to the accounts, not later than nine months after the close of the year to which they relate;
- (d) Submit to the Commission the following details as and when occurring:
 - (i) when the applicant or any of his partners, or promoters, or Directors or Associates is declared insolvent and has not been discharged;
 - (ii) when the applicant, or any of his partners, or promoters, or Directors or Associates is involved in any legal proceedings, civil and criminal;
 - (iii) When the applicant, or any of his partners, or promoters, or Directors or Associates has at any time been convicted of an offence involving moral turpitude or any economic offence.

12. Standards of performance

- (1) The Commission may, after consultation with the licensee specify the standards of performance of a licensee or a class of licensees.
- (2) The licensee shall furnish the performance details for each year to the Commission in the format prescribed in Form IV, appended to these regulations by 30th April immediately following the year ending on 31st March.

13. Prudential Reporting

The licensee shall, as soon as practicable, report to the Commission:

- (a) Any significant change in his circumstances which may affect the licensee's ability to meet his obligations under the Act, the Rules and the Regulations, directions and orders issued by the Commission, the Grid Code, agreement or the licence;
- (b) Any material breach of the provisions of the Act, the Rules and the Regulations, directives and orders issued by the Commission, the Grid Code, agreement or the licence; and
- (c) Any major change in shareholding pattern, ownership or management of the licensee.

14. Amendment of Licence

- (1) The terms and conditions of the licence may be modified by the Commission in public interest or on an application made by the licensee:

Provided that before ordering any alteration and modifications in the licence, proposed to be made otherwise than on the application of the licensee, the Commission shall publish a notice in two such daily newspapers as it considers necessary with the following particulars, namely:-

- (a) name and address of the licensee;
- (b) alterations and modifications proposed to be made;
- (c) grounds for such alterations and modifications; and
- (d) inviting suggestions, if any, on the proposal for consideration of the Commission within the time specified in the notice.

(2) The procedure specified in regulation 4 hereinabove shall *mutatis mutandis* be applicable in case the licensee makes an application for any alteration or modification to the terms and conditions of the licence:

Provided that where the licensee has made an application under sub-section (1) of Section 18 of the Act, proposing any alteration and modifications in his licence, he shall publish a notice of such application in all editions of two national daily newspapers, including one economic newspaper, in Form V, with the following particulars, namely:-

- (a) name of the applicant;
- (b) category of the licence granted to him;
- (c) that an application for alteration and modifications has been made before the Commission;
- (d) details of alteration and modifications proposed in the application;
- (e) reasons for seeking such alterations and modifications;

- (f) a statement that the application made before the Commission has been posted on the web site and can also be inspected in the office of the applicant;
- (g) a statement that any suggestion to the proposal for alteration and modifications made in the application may be submitted to the Secretary of the Commission within one month of publication of the notice;

Explanation : For the purpose of this regulation, national newspaper' has the same meaning as assigned under regulation 4 of these regulations.

14A. Procedure for securing compliance of terms and conditions of licence –

- (1) Where the Commission, on the basis of material in its possession is satisfied that the licensee is contravening, or is likely to contravene, the terms and conditions of licence, it shall serve a notice to the licensee narrating the terms and conditions of licence contravened or likely to be contravened by him to invite his objections.
- (2) The notice may be served on him by delivering the same at the registered office or at the usual or his last known place of residence or business, either through registered post/speed post or by hand delivery through a messenger or publication in the newspaper where the Commission is satisfied that it is not reasonably practicable to serve the notice on the licensee through registered post/speed post or by hand delivery or in any other manner as considered appropriate by the Commission in the facts and circumstances of the case.

- (3) The Commission shall publish a notice in two newspapers specifying the terms and conditions contravened or likely to be contravened by the licensee to bring the matters to the attention of persons affected or likely to be affected by such contraventions, to invite suggestions from such persons.
- (4) The licensee or the persons affected or likely to be affected by the contravention of the terms and conditions of the licence by the licensee may file their objections or suggestions within 30 days from the date of receipt of notice under clause (1) or publication of notice in the newspapers under clause (3), as the case may be.
- (5) The Commission shall on consideration of the objections and suggestions received as aforesaid, pass such order or give such directions as may be necessary to secure compliance of the terms and conditions of license.

15. Revocation of Licence

(1) The Commission may revoke the licence in accordance with Section 19 of the Act , in any of the following circumstances, namely:-

- (i) Where the licensee in the opinion of the Commission, makes willful and prolonged default in doing anything required of him by or under the Act, or the Rules or the Regulations;
- (ii) Where the licensee breaches any of the terms and conditions of his licence, the breach of which is expressly declared by such licence to render it liable to revocation;

Where the licensee fails, within the period fixed in this behalf by his licence, or any longer period which the Commission may allow therefor, to show to

the satisfaction of the Commission, that he is in a position fully and efficiently to discharge the duties and obligations imposed on him by his licence;

- (iv) Where in the opinion of the Commission the financial position of the licensee is such that he is unable to fully and efficiently discharge the duties and obligations imposed on him by his licence;
- (v) Where licensee has failed or neglected to undertake trading in electricity for four consequent quarters;

Provided that the licence shall not be revoked except after an enquiry by the adjudicating officer appointed by the Commission under Section 143 of the Act in the manner prescribed by the Central Government:

Provided further that the Commission may, instead of revoking a licence under clause (1) above, permit the licence to remain in force subject to such further terms and conditions as it thinks fit to impose, and any further terms and conditions so imposed shall be binding upon and be observed by the licensee and shall be of like force and effect as if they were contained in the licence.

- (vi) Where the licensee fails to meet the eligibility criteria in accordance with these regulations;
- (vii) Where the licensee fails to submit the information as required in accordance with the regulation 11.

- (2) When the licensee makes an application for revocation of the licence and the Commission is satisfied that public interest so requires, the Commission may revoke his licence, on such terms and conditions as it thinks fit.
- (3) The Commission shall serve a notice of revocation upon the licensee and fix a date on which the revocation shall take effect.

16. Communication

- (1) All communications relating to the licence shall be in writing and shall be delivered either in person to the addressee or his authorized agent, or sent by registered or speed post at the place of business of the addressee.
- (2) All communications shall be regarded to have been given by the sender and received by the addressee, –
- (i) when delivered in person to the addressee or to his authorised agent;
- (ii) on expiry of 15 days from the date of sending by registered or speed post at the address of the addressee.

17. Power to relax

The Commission may in appropriate cases and for reasons to be recorded in writing relax any of the provisions of these regulations.

FORM - I**Application form for grant of Licence for Inter-State Trading****Particulars of the Applicant**

1. Name of the applicant :
2. Address :
 - (a) Registered office address
 - (b) Address for correspondence
 - (c) Web site address
3. Name, Designation and Address of the contact person :
4. Contact Tel. Nos. :
5. Fax No. :
6. E-mail ID :
7. Status of the applicant :
(Whether a company incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956), partnership firm, individual or sole proprietor, or any other person. If listed, name of Stock Exchanges on which listed and latest share price to be given)
8. Place of Incorporation/Registration :
9. Year of Incorporation/Registration :
11. Authorised, issued, subscribed and paid up share capital

Note : Copies of the following documents shall be enclosed

- (a) Certificate of incorporation/registration
- (b) Certificate for commencement of business, where applicable

(c) Memorandum of Association and Articles of Association

(d) Original power of attorney of the signatory to commit the Applicant or its promoter

11. Category of licence applied for

12. Volume of Trading:

Volume of power intended to be traded during the first year after grant of licence and the future plans for trading during the next 5 years;

13. Area of Trading:

Geographical areas within which the applicant will undertake trading in electricity

Details of Financial Data of Applicant

14. (i) Net worth as per the audited accounts for the preceding five years (in equivalent Indian Rupees-conversion to be done at the rate of exchange prevailing at the end of each year) for immediate past 3 (three) financial years. (Specify financial year as applicable)
- (ii) Net worth as on the date of making application.

(DD/MM/YY) to (DD/MM/YY)

	In Home Currency	Exchange rate used	In equivalent Indian Rs.
(a) Year 1() to ()	-----	-----	-----
(b) Year 2() to ()	-----	-----	-----
(c) Year 3() to ()	-----	-----	-----

Note: Copies of Annual Reports or certified audited accounts for the preceding five years to be enclosed in support of above.

15. Details of shareholding as on the date of making application

(Give details of each of the shareholders holding 5% and above of the shares of the applicant directly or with relatives)

(a) Name of the shareholder

(a) Citizenship

(b) Residential status

(c) No. of shares held

(d) %age holding of total paid up capital of the company

16. Annual turnover (in equivalent Indian Rupees - conversion to be done at the rate of exchange prevailing at the end of each year) for immediate past 5 (five) financial years. (Specify financial year as applicable)

(DD/MM/YY) to (DD/MM/YY)

	In Home Currency	Exchange rate used	In equivalent Indian Rs.
(a) Year 1() to ()	-----	-----	-----
(b) Year 2() to ()	-----	-----	-----
(c) Year 3() to ()	-----	-----	-----
(d) Year 4() to ()	-----	-----	-----
(e) Year 5() to ()	-----	-----	-----

Copies of Annual Reports or certified audited results to be enclosed in support of above.

17. Organisational & Managerial Capability of the applicant

(The applicant is required to enclose proof of its Organisational & Managerial Capability, in terms of these regulations, in form of proposed organisational structure & curricula vitae of various executives, proposed office and communication facilities, etc.)

18 Approach & Methodology:

(The applicant is required to describe approach & methodology for establishment of the trading arrangements as proposed by him.)

19. Other Information

(a) Whether the applicant or any of his partners or promoters or Directors or Associates has been declared insolvent and has not been discharged. If so, the details thereof;

(b) Details of cases resulting in conviction of fraud or economic offences of the applicant, any of his partners, promoters or Directors or Associates during the three years preceding the year of making application;

(c) Details of all pending cases involving the applicant, any of his partners or promoters or Directors or Associates, which shall include nature of the dispute, whether civil or criminal, name of the other party or parties, the court before whom pending and the latest status;

(d) Whether the applicant or any of his partners, or promoter or Directors or Associates was ever refused licence. If so, give the details of date of making application, date of refusal and reasons for refusal.

20. List of documents enclosed:**Name of the document**

- (a) _____
(b) _____
(c) _____
(d) _____

Place :
Date :

(Signature of the Applicant)
or the authorised person

FORM 1A

Name of the Applicant (in Bold letters)

Registered Office/Corporate Office Address (in Bold letters)

Notice under sub-section (2) of Section 15 of the Electricity Act,2003 (in Bold letters)

1.	<p>The person above-named, a company incorporated under the Companies Act, 1956/a partnership or sole proprietorship firm/an individual (strike out whichever is not applicable) (the applicant) has made an application under sub-section (1) of Section 15 of the Electricity Act, 2003 for grant of Category _____ licence for inter-state trading in electricity within _____ (indicate the geographical area within which the applicant proposes to undertake trading) before the Central Electricity Regulatory Commission, New Delhi. The necessary details in respect of the applicant are given hereunder:</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) Authorised, issued, subscribed and paid up capital. (ii) Shareholding pattern (indicate the details of the shareholders holding 5% or more shares) <table style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <thead> <tr> <th style="text-align: left; width: 25%;"><u>Name of the shareholder</u></th> <th style="text-align: left; width: 25%;"><u>citizenship</u></th> <th style="text-align: left; width: 25%;"><u>Residential status</u></th> <th style="text-align: left; width: 25%;"><u>No. of shares</u></th> <th style="text-align: left; width: 25%;"><u>Percentage of holding of the paid up capital</u></th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td> </td> <td> </td> <td> </td> <td> </td> <td> </td> </tr> </tbody> </table> <ul style="list-style-type: none"> (iii) Volume of electricity intended to be traded during the first year after grant of licence and future plans of the applicant to expand volume of trading (iv) Financial and technical strength (v) Management profile (vi) Net worth as on the date on which the application is made. 					<u>Name of the shareholder</u>	<u>citizenship</u>	<u>Residential status</u>	<u>No. of shares</u>	<u>Percentage of holding of the paid up capital</u>					
<u>Name of the shareholder</u>	<u>citizenship</u>	<u>Residential status</u>	<u>No. of shares</u>	<u>Percentage of holding of the paid up capital</u>											

- (vii) Past experience of the applicant and/or the persons on the management of the applicant in generation, transmission, distribution and trading of electricity or similar activity.
- (viii) Year-wise current ratio and liquidity ratio of the applicant for three years preceding the year in which the application is made.
- (ix) (a) A statement whether applicant is authorized to undertake trading in electricity under the Memorandum of Association or any other document
(b) If so, reproduce the specific provision of Memorandum of Association or any other document so authorizing trading in electricity.
- (x) Details of the cases, if any, in which the applicant or any of his partners or promoters or Directors or Associates has been convicted of an offence involving moral turpitude or any economic offence during the previous three years preceding the year of making the application.

Name of the person Relationship with the applicant Nature of offence Date of conviction

- (xi) Details of pending legal proceedings (civil and criminal), if any, involving the applicant or any of his partners or promoters or Directors or Associates.

<u>Name of the person</u>	<u>Relationship with the applicant</u>	<u>Court before which pending</u>	<u>Nature of proceedings</u>	<u>Other party involved</u>	<u>Present status</u>
---------------------------	--	-----------------------------------	------------------------------	-----------------------------	-----------------------

- (xii) Details of cases, if any, where the applicant or any of his partners or promoters or Directors or Associates has been declared insolvent and has not been discharged.

2.	The application made and other documents filed before the Commission are available for inspection by any person with (Give here name, designation, address and telephone number of the person with whom the application can be inspected)
3	The application made and other documents filed before the Commission have been posted on (Give address of the web site on which the application is posted).
4.	Objections, if any, on the application made before the Commission may be sent to the Secretary, Central Electricity Regulatory Commission, Core-3, Scope Complex, Lodi Road, New Delhi-110 003 (or give other address where office of the Commission is situated) within 30 days of publication of this notice, with a copy to the applicant.
5.	No objection shall be considered by the Commission if received after expiry of 30 days of publication of this notice.

Place:

Name and Designation of the
Authorised Signatory

Date :

FORM II

CENTRAL ELECTRICITY REGULATORY COMMISSION

LICENSE TO TRADE IN ELECTRICITY AS AN ELECTRICITY TRADER

1. The Central Electricity Regulatory Commission (hereinafter referred to as "the Commission"), in exercise of the powers conferred under Section 14 of the Electricity Act, 2003 (hereinafter referred to as "the Act"), hereby grants this licence as a Category _____ trader to _____, (hereinafter referred to as "the licensee") to trade in electricity as an electricity trader in the area _____ subject to the terms and conditions contained in the Act, (in particular, Sections 17 to 22 thereof, both inclusive), the Rules made by the Central Government (hereinafter referred to as "the Rules") and the Regulations specified by the Commission (herein after referred to as "the Regulations"), including statutory amendments, alterations, modifications, reenactments thereof, which shall be read as part and parcel of this licence.

2. This licence is not transferable, except in accordance with the provisions of the Act, the Rules and the Regulations.

3. (1) The licensee shall not without prior approval of the Commission—
 - (a) undertake any transaction to acquire by purchase or take over or otherwise, the utility of any other licensee; or
 - (b) merge its utility with utility of any other licensee;

- (2) The licensee shall not at any time assign its licence, or transfer its utility, or any part thereof, by sale, lease, exchange or otherwise without the prior approval of the Commission;
- (3) Any agreement relating to any transaction referred to in sub-clause (1) and sub-clause (2) unless made with the approval of the Commission, shall be void.
4. The grant of this licence to the licensee shall not in any way hinder or restrict the right of the Commission to grant a licence to any other person within the same area for trading in electricity as an electricity trader. The licensee shall not claim any exclusivity.
5. This licence shall commence on the date of its issue and unless revoked earlier, shall continue to be in force for a period of 25 (twenty five) years.
6. The licensee may with prior intimation to the Commission, engage in any business for optimum utilisation of its assets:
- Provided that the licensee shall not engage in the business of transmission of electricity.
7. Unless otherwise specified by the Commission, the licensee shall pay annual license fee of Rs. ___ lakh, and license fee for a part of the year shall be paid on pro-rata basis rounded off to the nearest hundred rupees.
- For the purpose of this clause, the "year" means a period of twelve months from 1st April of a calendar year to 31st March of the following calendar year.
8. The provisions contained in Sections 19 to 22, both inclusive, of the Act shall apply to the licensee with regard to revocation of licence and sale of his utility.

SECRETARY

FORM - III

Proforma for submission of information for the Quarter ending
(To be submitted to the Commission, Regional Load Despatch Centre and Regional Power Committee)

Name of the Trader:

License details (No & date):

S. No.	Date and time of transaction	Volume of electricity Traded (in million kWhs)	Purchased from*	Sold to*	Point of purchase	Purchase price	Point of sale	Sale price	Transmission/wheeling charges paid, and whether the charges borne by Seller/Trader/Buyer**	Transmission losses paid, and whether the charges borne by Seller/Trader/Buyer**	UI charges paid, and whether the charges borne by Seller/Trader/Buyer**	Trading margin recovered	Remarks
Total													

Note : All the transactions shall be reported on real time basis whether during peak period, off peak period or round the clock should not be aggregated.

* Besides the name of the seller/buyer, indicate the category of the seller/buyer namely generator, captive power plant, distribution licensee, Government, consumer (when applicable) etc.

** Strike out whichever is not applicable.

FORM - IV

Proforma for submission of Standards of Performance by Electricity Trader for the year ending 31st March

(To be submitted to the Commission)

Name of the Trader:
Licence details (No. & date):

S.No.	Volume of electricity traded during the year	Cumulative trading up to the present year since grant of licence	Whether there is any change in the category of electricity trader after grant of licence. If yes, give the necessary details	Whether net worth is increased for reason of change to higher category. If yes, give the necessary details	Whether additional license fee, due to change to higher category or deposited with the Commission. If yes, give the necessary details	Whether any violation to the licence conditions pointed out by any agency or observed by the licensee himself. If so, give details thereof	Payment track record for electricity purchased for trading	Remarks
								(Yes / No) (Yes / No) (Yes / No)

FORM V

Name and address of the Applicant (in Bold letters)

Notice under Clause (b) of sub-section (2) of Section 18 of the Electricity Act, 2003

<p>1. The person above-named, who has been granted a Category _____ licence by the Central Electricity Regulatory Commission (the Commission) for inter-state trading of _____ Million Units in a year, has made an application before the Commission under clause (b) of sub-section (2) of Section 18 of the Electricity Act, 2003 for alterations and modifications in the licence as given hereunder:</p> <p>.....</p> <p>(Give here the details of alterations and modifications in the licence given in the application)</p>
<p>2. The grounds for seeking alteration and modification are that:</p> <p>.....</p> <p>(Give here the grounds for alterations and modifications in the licence given in the application)</p>
<p>3. The application made before the Commission is posted on _____ (Give here details of web site address) and can be inspected by any person with</p> <p>.....</p> <p>(Give here the name of the person authorised as given in the application)</p>
<p>4. The suggestions, if any, on the above-noted proposals for alteration and modifications in the licence, in the application made before the Commission, may be sent to the Secretary, Central Electricity Regulatory Commission, 7th Floor,</p>

	Core-3, Scope Complex, Lodhi Road, New Delhi – 110003 (Or give other address where the Office of the Commission is situate) within 30 days of publication of this notice, with a copy to the applicant.
5.	No suggestions shall be considered by the Commission, if received after expiry of period of 30 days.

Place:

Name and Designation of the
Authorised Signatory

Date :